हिन्दी दैनिक

लखनऊ जंक्शन

RNI NO.-UPHIN/2015/64743 Email-lkojunction@gmail.com

वर्ष: 10 अंक: 323 लखनऊ, मंगलवार 26 अगस्त 2025 पृष्ठ: 04 मूल्य: 01 रूपये

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने ग्रुप कैप्टन शुभांशु शुक्ला के नाम पर स्कॉलरशिप का किया ऐलान

– सीएम योगी ने देश के सपूत, अंतरिक्ष यात्री एवं ग्रुप कैप्टन शुभांशु शुक्ला के लखनऊ आगमन पर नागरिक अभिनंदन में कार्यक्रम में की घोषणा

– बोले, प्रदेश का विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग अंतरिक्ष यात्री ग्रुप कैप्टन शुभांशु शुक्ला के अनुभव का करे इस्तेमाल

– स्पेस टेक्नोलॉजी के क्षेत्र में पढ़ाई करने वाले एवं कैरियर बनाने वाले छात्रों को दी जाएगी स्कॉलरशिप

– प्रदेश के दर्जन भर से अधिक टेक्निकल इंस्टीट्यूशन में संचालित हो रहे हैं स्पेश टेक्नोलॉजी के कोर्सेज

– शुभांशु शुक्ला ने अंतरिक्ष यात्रा से प्राकृतिक आपदाओं, जलवायु परिवर्तन, बाढ़, सूखा और कृषि के संकटों से निपटने के लिए दिखाई नई दिशा

लखनऊ ब्यूरो

लखनऊ। देश को चार दशक के बाद एक भारतीय को अंतरिक्ष यात्रा का अवसर मिला। यह हमारा सौभाग्य है कि यह अवसर प्रदेश की राजधानी लखनऊ में जन्मे ग्रुप कैप्टश शुभांशु शुक्ला को प्राप्त हुआ। वह सफलतम यात्रा के बाद पहली बार लखनऊ आए हैं। ऐसे में उनका आगमन हम सभी को आनंदित करता है। उनकी अंतरिक्ष यात्रा हम सभी के लिए कोतहुल का विषय थी। हर भारतवासी बड़े विश्वास और आशा भरी निगाहों से उनकी अंतरिक्ष यात्रा को देख रहा था। ये बातें मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सोमवार को लोकभवन के सभागार में आयोजित देश के सपूत, अंतरिक्ष यात्री एवं ग्रुप कैप्टन शुभांशु शुक्ला के लखनऊ आगमन पर नागरिक अभिनंदन में कार्यक्रम में कही।

कार्यक्रम में ग्रुप कैप्टन के पिता, माता और पत्नी को किया गया सम्मानित

कार्यक्रम में डिप्टी सीएम बृजेश पाठक ने ग्रुप कैप्टन शुभांशु शुक्ला की माता आशा शुक्ला, डिप्टी सीएम केशव प्रसाद मौर्य ने पिता शंभु दयाल शुक्ला और मेयर सुषमा खर्कवाल ने ग्रुप कैप्टन की पत्नी कामना शुक्ला को अंगवस्त्र और स्मृति चिन्ह भेंटकर सम्मानित किया। वहीं मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने अंतरिक्ष यात्री ग्रुप कैप्टन शुभांशु शुक्ला को अंगवस्त्र और स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया। इस दौरान सूचना एवं जनसंपर्क विभाग की ओर से ग्रुप कैप्टन की अंतरिक्ष यात्रा पर आधारित एक लघु फिल्म भी दिखायी गयी।

सीएम ने ग्रुप कैप्टन के नाम पर स्कॉलरशिप का किया ऐलान

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने प्रदेश के विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग से अंतरिक्ष यात्री ग्रुप कैप्टन शुभांशु शुक्ला के अनुभव का इस्तेमाल विभाग में करने को कहा। इसके अलावा सीएम योगी ने स्पेस टेक्नोलॉजी के क्षेत्र की पढ़ाई करने वाले छात्रों के लिए शुभांशु शुक्ला के नाम से स्कॉलरशिप का ऐलान किया। सीएम ने कहा कि 3 वर्ष से 4 वर्ष पहले प्रदेश में स्पेस टेक्नोलॉजी को लेकर किसी भी विश्वविद्यालय, संस्थान में न तो कोई पाठ्यक्रम था, न ही सिलेबस, न डिग्री, न डिप्लोमा और न ही कोई सर्टिफिकेट कोर्स था। वहीं वर्तमान में प्रदेश के दर्जन भर से अधिक टेक्निकल इंस्टीट्यूशन में स्पेश टेक्नोलॉजी को लेकर कोर्सेज संचालित हो रहे हैं, जो यह दर्शाता है कि भारत के विकास की यात्रा में प्रदेश के संस्थान बराबर सहभागी बन रहे हैं। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भारत वासियों के सामने वर्ष 2047 तक देश को विकसित भारत बनाने का लक्ष्य दिया है। इसे साकार करने के लिए विकास के उन सभी क्षेत्र के लिए अपने द्वार खुले रखने होंगे, जहां–जहां आगे बढ़ने की संभावनाएं हैं। सीएम योगी ने कहा कि शुभांशु शुक्ला के पिता प्रदेश सरकार के सचिवालय प्रशासन में अधिकारी थे। उनके इस गौरवपूर्ण मार्ग पर चलते हुए आज उनके पुत्र ने न केवल उत्तर प्रदेश को बल्कि समूचे देश को गौरान्वित किया है। उन्होंने 18 दिनों की स्पेस यात्रा में पृथ्वी की 320 बार परिक्रमा की। इससे उनकी यात्रा की महत्वपूर्णता और उद्देश्य स्पष्ट होता है।

स्पेस टेक्नोलॉजी के उपयोग से प्राकृतिक आपदाओं का किया जा सकता है बेहतर प्रबंधन

सीएम ने कहा कि इसरो के अध्यक्ष वी. नारायणन से अंतरिक्ष यात्रा को लेकर बातचीत हुई, जिसमें ग्रुप कैप्टन शुभांशु शुक्ला की यात्रा, अंतरिक्ष मिशन और भविष्य में होने वाली प्रयोगों पर चर्चा हुई। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि ग्रुप कैप्टन शुभांशु शुक्ला ने 18 दिनों में पूरी पृथ्वी का दौरा किया, जो किसी भी आम नागरिक के लिए अविश्वसनीय अनुभव है। उनका यह अनुभव भविष्य में उत्तर प्रदेश और देश के युवाओं के लिए प्रेरणा का स्रोत बनेगा। इस यात्रा से ना केवल उन्होंने अंतरिक्ष में अपनी पहचान बनाई, बल्कि प्राकृतिक आपदाओं, जलवायु परिवर्तन, बाढ़, सूखा और कृषि के संकटों से निपटने के लिए भी नई दिशा दिखाई है। सीएम ने कहा कि स्पेस टेक्नोलॉजी के उपयोग से प्राकृतिक आपदाओं का बेहतर प्रबंधन और किसानों की आय में वृद्धि संभव है। सीएम ने कहा कि फिल्म के माध्यम से हम सभी ने देखा कि किन–किन क्षेत्रों में आगे बढ़ने की संभावनाएं हैं जबकि पहले यह फील्ड हम सभी से अछूती थी। वर्तमान में क्लाइमेट चेंज से हर व्यक्ति जूझ रहा है। ऐसे में इससे निपटने के लिए स्पेस टेक्नोलॉजी का उपयोग कर सकते हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने Science, Technology, Engineering and Mathematics शिक्षा के महत्व पर बल दिया। सीएम ने कहा कि ग्रुप कैप्टन शुभांशु शुक्ला ने भी युवाओं से स्पेस टेक्नोलॉजी में करियर बनाने की बात कही। उन्होंने बताया कि आज के युवा के पास अंतरिक्ष मिशन जैसी नई ऊंचाइयों तक पहुंचने के अनगिनत अवसर हैं, जो पहले कभी नहीं थे।

ग्रुप कैप्टन की अंतरिक्ष यात्रा स्पेस सेक्टर को विकसित करने का अवसर

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि शुभांशु शुक्ला के अनुभव से आने वाले समय में उत्तर प्रदेश और भारत के युवा इस क्षेत्र में और भी अधिक सक्रिय हो सकते हैं। यह यात्रा न केवल स्पेस सेक्टर को विकसित करने का अवसर है, बल्कि यह हमें आने वाली प्राकृतिक आपदाओं से निपटने की दिशा भी देती है। उन्होंने कहा कि यह कार्यक्रम उत्तर प्रदेश के युवाओं के लिए एक नई प्रेरणा का स्रोत है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि भारत सरकार ने पिछले 11 वर्षों में स्पेस सेक्टर में तेजी से कदम बढ़ाए हैं। ग्रुप कैप्टन शुभांशु शुक्ला की यात्रा के माध्यम से हम 2027 में गगनयान मिशन और 2047 के लक्ष्य को प्राप्त करने की दिशा में बड़े कदम उठा सकते हैं। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि प्राकृतिक आपदाओं से निपटने के लिए प्रदेश में अर्ली वार्निंग सिस्टम लगाए गए हैं। इसके लिए भारत सरकार सहयोग कर रही है, लेकिन हम स्वंय के सेटेलाइट, रिमोट सेंसिंग स्टेशन के माध्यम से आपदाओं की जानकारी लोगों तक पहुंचाने के लिए प्रयास कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि आपदाएं नियंत्रित नहीं हो सकती हैं, यह कहकर हम अपने जिम्मेदारियों से भाग नहीं सकते हैं। इन चुनौतियों का सामना टेक्नोलॉजी से किया जा सकता है।

जब आप पहली बार स्पेस पहुंचते हैं तो शरीर में होते हैं कई बदलाव : शुभांशु शुक्ला

अंतरिक्ष यात्री ग्रुप कैप्टन शुभांशु शुक्ला ने अंतरिक्ष में बिताए अपने पलों को साझा किया। इस दौरान उन्होंने कहा कि जब आप पहली बार स्पेस स्टेशन पर पहुंचते हैं तो पहली बार आपका शरीर माइक्रोग्रेविटी का एक्सपीरियंस शेयर करता है। आपके शरीर में बहुत सारे बदलाव आते हैं। आपके शरीर का पूरा ब्लड सर में आ जाता है, जिससे आपका सर बड़ा हो जाता है। आपका हार्ट स्लो हो जाता है क्योंकि उसको ग्रेविटी के अगेंस्ट काम नहीं करना है। आपके पेट में जो भी होता है, वह भी फलौट करने लगता है। इसे आप समझ नहीं आते हैं कि आपके अंदर क्या चल रहा है। आपको भूख नहीं लगती है। बहुत सारे चौलेंजेस होते हैं। मुझे लगता है कि हम ऐसी जगह लाइफ को सस्टेन कर रहे हैं, जहां लाइफ सस्टेन होनी नहीं चाहिये। वहां का वातावरण है कि वैक्यूम है, तापमान काफी हार्ष है और हवा बिल्कुल भी नहीं है। इसके सबके बाद भी ह्यूमन इंजीनियरिंग का कमाल है कि इसके बाद भी वहां पर लाइफ को सस्टेन कर पा रहे हैं। इसी डॉयरेक्शन में भारत अपनी जर्नी पर है। जब हम अपना पहला मिशन लॉन्च करेंगे, जो दुनिया के चौथे राष्ट्र होंगे, जिसके पास ये कैपेबिलिटी होगी। ग्रुप कैप्टन शुभांशु शुक्ला ने कहा कि जिस तरह से उनका लखनऊ में स्वागत हुआ, वह वास्तव में दिल्ली से दोगुना है। यहां के स्नेह और प्यार को देखकर आज वास्तव में समझ में आया कि मुस्कुराइए, आप लखनऊ में हैं का असली मतलब क्या है। यहां पर केवल आज ही 2 हजार से ज्यादा सेल्फी ली गई। उन्होंने कहा कि मेरे मिशन के बाद देश में जो मोमेंटम बना, उसकी शुरुआत यहीं उत्तर प्रदेश से की जाए। यहां जो पीछे बच्चे बैठे हैं उनके लिए मेरा मैसेज है कि वर्ष 2040 तक आप में से कोई न कोई पर मून पर जरूर जाएगा। इस कंप्टीशन में मैं भी उनके साथ हूंगा। इस अवसर पर भाजपा प्रदेश अध्यक्ष भूपेंद्र चौधरी, डिप्टी सीएम केशव प्रसाद मौर्य, बृजेश पाठक, मंत्री सुरेश खन्ना, अनिल कुमार, गिरीश चंद्र यादव, अजीत पाल, मनोहर लाल कोरी, मेयर सुषमा खर्कवाल, सांसद बृजलाल, प्रमुख सचिव गृह संजय प्रसाद आदि मौजूद रहे।

यूपी का विकास देश के अन्य प्रदेशों के लिए बना प्रेरणा का स्त्रोत : वी नारायणन

कार्यक्रम में भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (ISRO)के अध्यक्ष वी. नारायणन ने प्रदेश के विकास कार्यों और स्पेस प्रोग्राम से जुड़ी कई महत्वपूर्ण बातें साझा कीं। उन्होंने विशेष रूप से मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व की सराहना की और यूपी की प्रगति पर बात की। उन्होंने कहा कि यूपी में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में जो विकास हो रहा है, वह अन्य प्रदेशों के लिए प्रेरणा का स्रोत बन चुका है। सीएम योगी आदित्यनाथ ने प्रदेश के विकास के लिए कई योजनाओं और पहलों की शुरुआत की, जिसकी वजह से उत्तर प्रदेश आज कई क्षेत्रों में नई ऊंचाइयों को छू रहा है। उन्होंने कहा कि यूपी में जो परिवर्तन हुआ है, वह सिर्फ राज्य के लिए ही नहीं, बल्कि पूरे देश के लिए गौरव की बात है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने यूपी को एक नई दिशा दी है। इसके अलावा इसरो के अध्यक्ष ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के योगदान को भी विशेष रूप से सराहा। उन्होंने कहा कि पीएम मोदी ने हमेशा देश को अंतरिक्ष कार्यक्रम में नए आयामों तक पहुंचाने के लिए प्रेरित किया है। उन्होंने बताया कि प्रधानमंत्री के मार्गदर्शन में भारत ने स्पेस टेक्नोलॉजी में कई महत्वपूर्ण सफलताएं हासिल की हैं और आज देश अंतरिक्ष में अपने स्थान को और भी मजबूत बना रहा है।

संक्षिप्त समाचार

राहुल–प्रियंका ने एसएससी प्रदर्शनकारियों पर लाठीचार्ज को बताया अमानवीय

एजेंसी

नयी दिल्ली। एसएससी अभ्यर्थियों और शिक्षकों पर हुए पुलिस लाठीचार्ज पर राहुल गांधी का बड़ा बयान नयी दिल्ली। दिल्ली के रामलीला मैदान में एसएससी अभ्यर्थियों और शिक्षकों के शांतिपूर्ण प्रदर्शन पर हुए पुलिस लाठीचार्ज को लेकर कांग्रेस नेताओं ने केंद्र सरकार पर तीखा हमला बोला। कांग्रेस सांसद राहुल गांधी और प्रियंका गांधी ने इस घटना को न सिर्फ अमानवीय बल्कि डरपोक सरकार की पहचान बताया। राहुल गांधी ने सोमवार को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक पोस्ट में लिखा, रामलीला मैदान में शांतिपूर्ण प्रदर्शन कर रहे एसएससी अभ्यर्थियों और शिक्षकों पर बर्बर लाठीचार्जकृ शर्मनाक ही नहीं, एक डरपोक सरकार की पहचान है। युवाओं ने सिर्फ अपना हक मांगा था रोजगार और न्याय।

देश में लोकतंत्र की जगह भाजपा का दमन–तंत्र चल रहा है : आम आदमी पार्टी

एजेंसी

नयी दिल्ली। दिल्ली के रामलीला मैदान में एसएससी परीक्षा में गड़बड़ियों को ठीक करने की मांग को लेकर ध रना दे रहे छात्रों और शिक्षकों पर रविवार देर रात पुलिस ने बल प्रयोग किया। इस पर आम आदमी पार्टी (आप) ने केंद्र की भाजपा सरकार और दिल्ली पुलिस पर निशाना साध ा है। आप के राष्ट्रीय संयोजक और दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म श्एक्सश पर लिखा कि जिन हाथों में किताबें होनी चाहिए थीं, आज वे चोट के निशान लिए बैठे हैं। उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार सवाल पूछने वाली हर आवाज को दबा रही है और पूरे लोकतांत्रिक सिस्टम को मजाक बना दिया गया है। दिल्ली प्रदेश संयोजक सौरभ भारद्वाज ने आरोप लगाया कि पुलिस ने पहले टेंट की लाइट काटकर अंधेरा कर दिया, फिर सादे कपड़ों में छात्रों और शिक्षकों को पीटा।

सुप्रीम कोर्ट से अशोका यूनिवर्सिटी के प्रोफेसर अली खान को राहत, ट्रायल पर लगाई रोक

एजेंसी

नयी दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को अशोका यूनिवर्सिटी के प्रोफेसर अली खान महमूदाबाद के खिलाफ दर्ज एफआईआर के ट्रायल पर रोक लगा दी है। कोर्ट ने निर्देश दिया कि निचली अदालत इस मामले में चार्जशीट पर संज्ञान न ले और न ही आरोप तय किए जाएं। ऑपरेशन सिंदूर से संबंधित सोशल मीडिया पोस्ट के मामले में प्रोफेसर को गिरफ्तार किया गया था। सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को प्रोफेसर अली खान महमूदाबाद के खिलाफ दर्ज मामले में बड़ी राहत दी।

राजनाथ सिंह का बड़ा बयान, भारतीय सेनाओं ने कायराना हमलों का मुंहतोड़ जवाब दिया, पाकिस्तान को दी चेतावनी

एजेंसी

नयी दिल्ली। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने 'ऑपरेशन सिंदूर का जिक्र करते हुए सोमवार को कहा कि भारतीय सेना ने पाकिस्तान के कायराना हमलों का मुंहतोड़ जवाब दिया और निर्धारित लक्ष्यों पर सटीक हमले किए। जोधपुर में एक कार्यक्रम को संबोधित करते हुए रक्षा मंत्री ने कहा, ''हमारे युवाओं की ऊर्जा और संकल्प ऑपरेशन सिंदूर के दौरान भी हमने देखा है। हमारी सेनाओं ने पाकिस्तान के कायराना हमलों का मुंहतोड़ जवाब दिया है। उन्होंने कहा, ''इस ऑपरेशन की सबसे बड़ी विशेषता थी कि आक्रमण के लिए जो लक्ष्य तय किया था... सटीक उसी लक्ष्य पर हमारी सेना ने हमला किया। मैं तो यहां तक कहना चाहूंगा कि ऑपरेशन सिंदूर के दौरान हमारी सेनाओं को सभी सीमावर्ती क्षेत्रों से

पूरा समर्थन मिला। सिंह ने कहा कि भारत ''वसुधैव कुटुम्बकम के सिद्धांत में विश्वास करता है और जाति, पंथ या धर्म के आधार पर कोई भेदभाव नहीं करता, लेकिन आतंकवादियों ने लोगों को उनके धर्म के अधार पर निशाना बनाया। उन्होंने कहा, ''हम पूरे विश्व को ही अपना परिवार मानते हैं। जाति, धर्म, पंथ के नाम पर हम भेदभाव करने वाले नहीं हैं। लेकिन आतंकवादियों ने पहलगाम में धर्म पूछकर लोगों को मारा। उन्होंने कहा, ''लेकिन हमारी सेना के जवानों ने आतंकवादियों को शह देने वालों और आतंकवादी घटनाओं में संलिप्त लोगों को मारा। उनका ध र्म देखकर नहीं मारा बल्कि उनका कर्म देखकर मारा है। रक्षा मंत्री ने शिक्षा के क्षेत्र में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के प्रयासों की सराहना करते हुए कहा, ''प्रधानमंत्री ने शिक्षा क्षेत्र में सुधार के लिए मजबूत इरादों और दृढ़ इच्छाशक्ति का परिचय दिया है।

आरबीआई गवर्नर का बड़ा बयान, कहा, अर्थव्यवस्था को आगे बढ़ाने के लिए बैंक और कंपनियां मिलकर करें काम

एजेंसी

मुंबई। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के गवर्नर संजय मल्होत्रा ने सोमवार को कहा कि देश अस्थिर वैश्विक आर्थिक माहौल से गुजर रहा है और ऐसे में बैंकों एवं कंपनियों को निवेश चक्र बनाने के लिए एकसाथ आना चाहिए। वार्षिक बैंकिंग सम्मेलन 'एफआईबीएसी 2025' में अपने उद्घाटन भाषण में गवर्नर ने कहा कि आरबीआई उभरते क्षेत्रों सहित बैंक ऋण का विस्तार करने के उपायों पर गौर कर रहा है। उन्होंने कहा, '' मैं इस बात पर जोर देना चाहूंगा कि हम भले ही एक–दूसरे से विपरीत दिशा में खड़े नजर आते हों, जहां विनियमित संस्थाएं वृद्धि को गति देने की कोशिश कर रही हैं और नियामक स्थिरता पर ध्यान केंद्रित कर रहे हैं। हालांकि वास्तव में हमारे उद्देश्य एक ही हैं। हम एक ही दल में हैं और विकसित भारत के लिए हमारा एक ही साझा दृष्टिकोण है।'

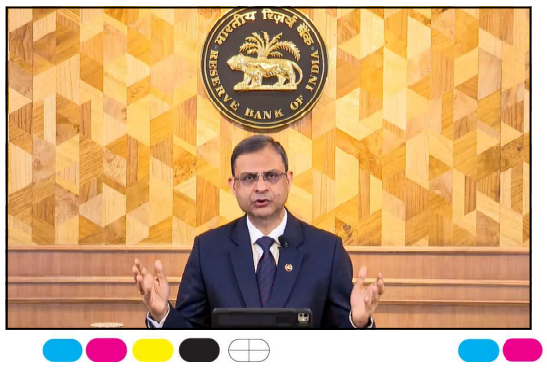

'मल्होत्रा ने कहा कि वह भारत की वित्तीय मध्यस्थता की दक्षता एवं प्रभावशीलता में सुधार लाने के लिए विनियमित संस्थाओं के साथ मिलकर काम करने के लिए उत्सुक हैं, ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि लोगों तक उचित लाभ पहुंचे। उन्होंने कहा, '' ऐसे समय में जब बैंकों एवं कॉरपोरेट के बही–खाते अपने सबसे अच्छे स्तर पर है, उन्हें एक साथ आना चाहिए और निवेश चक्र बनाने के लिए उत्साह को बढ़ाना चाहिए, जो इस समय बहुत महत्वपूर्ण है।''गवर्नर ने कहा कि केंद्रीय बैंक वृद्धि के उद्देश्य को ध यान में रखते हुए, मूल्य स्थिरता के प्राथमिक उद्देश्य के साथ मौद्रिक नीति का संचालन जारी रखेगा। उन्होंने कहा कि आज भारतीय अर्थव्यवस्था की विशेषता मजबूत वृहद आर्थिक बुनियादी ढांचे हैं और यह लचीलेपन एवं उम्मीद का प्रतीक बनी हुई है। मल्होत्रा ने कहा, '' हम अब एक महत्वपूर्ण मोड़ पर हैं... जैसे–जैसे हम बढ़ते व्यापार, अनिश्चितता और लगातार भू–राजनीतिक तनावों से उत्पन्न अस्थिर वैश्विक आर्थिक माहौल से निपट रहे हैं, हमें वृद्धि की नई सीमाएं तय करनी होगी।'' गवर्नर ने उभरती चुनौतियों से निपटने के लिए प्रयासों को तेज करने और साथ ही अवसरों का लाभ उठाने पर जोर दिया।

संपादकीय

एक ज्ञानतीर्थ में संरक्षित पुरखों की समृद्ध विरासत सप्रे संग्रहालय

देश के हर विद्या अनुरागी की चिंता रही है कि उसके जाने के बाद उसके निजी संग्रह में मौजूद दुर्लभ पुस्तकों का भविष्य क्या होगा। खास फिक्र संग्रह में समय के साथ पीली पड़ती और हाथ लगाते झरने वाली दुर्लभ पांडुलिपियों को लेकर। यह भी कि आने वाली पीढ़ियों तक यह राष्ट्रीय बौद्धिक धरोहर कैसे पहुंचे। इन्हीं चिंताओं के बीच उपजी सोच के अनुरूप 19 जून 1984 को माधवराव सप्रे संग्रहालय की पहली ईंट रखी गई। जैसा कि होता है पहले इस योजना का मजाक बनाया गया, कहा गया– कहां कबाड़ी के धंधे में लग गए। एक साल के बाद टीम बनने लगी। तब लोगों को लगने लगा कुछ महत्वपूर्ण व बड़ा हो रहा है। संस्थापक विजय श्रीधर के साथ जुड़ने वाले कुछ जुझारू साथियों में सुरेश शर्मा, शौकत रमूजी, संतोष कुमार शुक्ल सूचना विभाग से थे। डायरेक्टर पद से रिटायर होकर श्री शुक्ला टीम में पूरी तरह सक्रिय हुए। मंथन से यह विचार सामने आया कि पत्रकारिता के शिखर पुरुष माखनलाल चतुर्वेदी और अन्य पत्रकारों–साहित्यकारों को बड़ा बनाने में माधवराव सप्रे जी का विशिष्ट योगदान रहा। अतः संग्रहालय उनके नाम पर ही बने। 1980 दशक में, जबलपुर व भोपाल के विश्वविद्यालयों में पत्रकारिता विभाग खुले। विचार आया कि पत्रकारिता का प्रमाणिक इतिहास हिंदी में प्रकाशित किया जाना चाहिए। किताब लिखने की जिम्मेदारी म.प्र. हिंदी ग्रंथ अकादमी ने श्रीधर जी को दी। कालांतर मित्रों के साथ मिलकर वर्ष 1982–83 में 'मध्य प्रदेश में पत्रकारिता का इतिहास' पुस्तक की पांडुलिपी तैयार हुई। दरअसल, इस पुस्तक के प्रकाशन के दौरान प्रमाणिक सामग्री की तलाश सरकारी संस्थानों के बजाय विद्या अनुरागियों के निजी संग्रह की मदद से पूरी हुई। विद्यानुरागी परिवारों के निजी संग्रह में दुर्लभ पांडुलिपियां व पुस्तकें मिलीं। साझी चिंता थी कि इन पांडुलिपियों को बचाया नहीं तो ये विरासत नष्ट हो सकती है। दरअसल, कई महत्वपूर्ण पुस्तकें जर्जर स्थिति में थी। यक्ष प्रश्न था कि बचाया कैसे जाए। तभी जबलपुर में पं. रामेश्वर गुरु अंधेरे में उजली किरण जैसे मिले। यूं तो अंग्रेजी के पत्रकार थे लेकिन हिंदी के साहित्यकार थे। उनका बड़ा शौक था दस्तावेज एकत्र करने का। उनकी सलाह थी कि इन दुर्लभ पुस्तकों को नष्ट होने से बचाने के लिए इन्हें एक छत के नीचे एकत्र किया जाए। लेकिन इन प्रमाणिक पुस्तकों के संग्रह की व्यवस्था लाइब्रेरी की तरह न चलायी जाए। पांडुलिपी बाहर जाएगी तो निश्चित नहीं कि सुरक्षित लौटे। अतः रिसर्च स्कॉलर, पत्रकारों व लेखकों को चाहिए कि वे संग्रहालय में ही अध्ययन करें। लेकिन वे जर्जर पांडुलिपियों को उलटें–पलटें नहीं। वे सुरक्षा सुनिश्चित करें ताकि दुर्लभ पांडुलिपियां आने वाली पीढ़ियों हेतु संरक्षित रह सकें। कमला पार्क में रानी कमलावती महल परिसर में 600 वर्ग फुट जमीन सप्रे संग्रहालय के लिये 1984 में मिली। लेकिन संग्रहालय एक साल में भर गया। फिर नयी जगह में 3000 वर्ग फुट में संग्रहालय चला। छह साल में जगह फिर भर गई। फिर आग्रह पर मध्य प्रदेश सरकार से 1995 में 15000 वर्ग फुट जमीन आवंटित हुई। वर्ष 1996 में वर्तमान स्थल पर निर्माण कार्य शुरू हुआ और 2010 में पूरा हो सका। दरअसल, मध्यप्रदेश में सरकार व नौकरशाह इस रचनात्मक कार्य में मददगार रहे हैं। सरकार से संग्रहालय को 10 लाख रुपये सालाना मिलता है जो 25 हजार से शुरू हुआ था। भोपाल नगर निगम से सहयोग मिला। भारत सरकार के संस्कृति मंत्रालय ने अनुदान मिला। मित्रों ने भी सहयोग किया। संस्थापक संयोजक पद्मश्री विजय श्रीधर संग्रहालय की स्थापना से लेकर इस अभियान से जुड़े हैं। उनकी टीम में कर्मचारी नहीं, कार्यकर्ताओं का समूह है। डायरेक्टर को वेतन नहीं , मानदेय मिलता है। पहले डॉ. संतोष शुक्ला, फिर डॉ. मंगला अनुजा डायरेक्टर रहीं, आजकल अरविंद जी डायरेक्टर हैं। दुर्लभ पांडुलिपियों का संरक्षण संग्रहालय की सबसे बड़ी चुनौती थी। बड़ी संख्या में दस्तावेज जर्जर अवस्था में थे। बाहरी एजेंसी द्वारा अब तक 27 लाख पन्नों का डिजीटलीकरण किया जा चुका है। संग्रहालय में कुल 1,66,222 किताबें हैं। कुल पांच करोड़ पन्ने हैं। करीब एक हजार पांडुलिपियां हैं। जिसमें शिला मुद्रण वाली पोथियां भी हैं। करीब 26, 479 टाइटल यानी शीर्षक पत्र–पत्रिकाएं हैं –हिंदी, उर्दू, अंग्रेजी, संस्कृत, मराठी, गुजराती, सिंधी, बांग्ला आदि भाषाओं में। ये पुस्तकें साहित्य, पत्रकारिता, इतिहास, राजनीति विज्ञान, मनोविज्ञान, समाज शास्त्र, अर्थशास्त्र, वाणिज्य व विज्ञान विषयों की है। अभी 1,238 शोधार्थियों ने सप्रे संग्रहालय की मदद से थीसिस पूरी की। भारतीय स्टेट बैंक ने सप्रे संग्रहालय के लिये सीएसआर के तहत 45 लाख रुपये उपलब्ध कराए जिनसे 27 लाख पन्नों का डिजिटलाइजेशन किया गया। सप्रे संग्रहालय में 2024 तक के संकलन की वेबसाइट बन गई। संग्रहालय में देश–विदेश से शोधार्थी आते हैं। मामूली फीस है। ई–लाइब्रेरी का उपयोग प्रतियोगी परीक्षा की तैयारी के लिये भी होता है।

राशिफल

मेष :– कोई महत्वपूर्ण निर्णय लेने में मन दुविधाग्रस्त होगा। नाजुक संबंधों में भावनात्मक तालमेल बिठाने का प्रयत्न करें। नये कायरें के क्रियान्वयन हेतु प्रयत्न तीव्र होगा। जीवन साथी से मधुरता कायम रखें।
बृषभ :– विरोधियों की प्रबलता से कार्यक्षेत्र में कठिनाइयां संभव। जीविका क्षेत्र में नये आयाम उत्साहित करेंगे। कल्पनाओं में जीना छोड़ भौतिक जगत के अनुकूल चलने का प्रयत्न करें।
मिथुन :– किसी सहकर्मी के खराब व्यवहार से कष्ट संभव। कोई महत्वपूर्ण निर्णय लेने में मन दुविधाग्रस्त होगा। पारिवारिक संबंधों में कटुता न आने दें। आवेश में लिये गये निर्णय से पश्चाप संभव।
कर्क :– किसी विपरीतलिंगी संबंध के प्रति आकर्षण बढ़ेगा। रोजगार में समस्याओं से हतोत्साहित न हों। अपनी क्षमताओं व गुणवत्ता पर भरोसा रखें क्योंकि आगे बहुत सारी सफलताएं मिलने वाली हैं।
सिंह :– अच्छी भावनात्मक अभिव्यक्ति से संबंधों की मधुरता बढ़ेगी। रोजगार की समस्याओं को लेकर मन चिंतित होगा। किसी बड़ी यात्रा के प्रति मन उत्साहित होगा। असीम प्रतिभाओं के बावजूद असफल होंगे।
कन्या :– कोई महत्वपूर्ण आकांक्षा अपनी सार्थकता हेतु उद्वेलित करेगी। दूसरों की आलोचना का असर मनोबल पर कतई न पड़ने दें। ग्रहों की अनुकूलता प्रगति के अच्छे अवसर प्रदान करेगी।
तुला :– कुछ नये उत्साह व कार्य क्षमता की अनुभूति करेंगे। कुछ आर्थिक प्रगति के लिए मन नई–नई युक्तियों पर केंद्रित होगा। कुछ नई सफलताएं सुखों का आगाज करेंगी। योजनाएं फलीभूत होंगी।
वृश्चिक :– बीती बातों को भूल वर्तमान में जीने का प्रयास करें। रोजगार में अपनी क्षमता का पूर्ण लाभ मिलेगा। बिना वजह दूसरों की पीठ पीछे आलोचना न करें। परिवार में खुशहाल स्थिति से मन प्रसन्न होगा।
धनु :– दूसरों की सफलता से अपने अंदर हीन भावना न पाले। नौकरी का वातावरण थोड़ा अरुचिकर होगा तथा स्थान परिवर्तन का भी योग है। रोजगार में व्यस्तता रहेगी किंतु जरूरी कायरे की पूर्ति समय से करें।
मकर :– रोजगार में कुछ आकस्मिक सफलता मिलने का योग है। पारिवारिक दायित्वों की पूर्ति में व्यय संभव। प्रयासरत कोई महत्वपूर्ण कार्य हल होने से मन प्रसन्न होगा।
कुंभ :– रोजगार क्षेत्र में मिल रहे नये अवसरों का लाभ उठाएंगे। आवेश में लिये गये निर्णय से हानि संभव। राजनीतिक सरगर्मियां बढ़ेंगी। मित्रवत संबंधों का लाभ प्राप्त होगा। परिवार में खुशहाल माहौल रहेगा।
मीन :– आपकी सारी समस्याएं खुद ब खुद सुलझ जाएंगी। किसी नयी दिशा में सकारात्मक सोच अवश्य रंग लायेगी। पुरानी घटनाओं के स्मरण से मन को कष्ट संभव। जीवन साथी के साथ मधुरता कायम रखें।

छात्र किस दिशा में जा रहे हैं?

"शिक्षा, संस्कार और समाज की जिम्मेदारी : बदलते छात्र-शिक्षक संबंध और सही दिशा की तलाश"

– प्रियंका सौरभ

समाज का दर्पण कहलाने वाला विद्यालय आज एक गहरी चिंता का विषय बन गया है। जहाँ पहले शिक्षा का अर्थ केवल ज्ञान नहीं बल्कि संस्कार, अनुशासन और नैतिकता था, वहीं अब कुछ घटनाएँ यह सोचने पर मजबूर कर रही हैं कि हमारे छात्र आखिर किस दिशा में जा रहे हैं। हाल ही में हरियाणा के भिवानी जिले के ढाणा लाडनपुर गाँव के राजकीय सीनियर सेकेंडरी स्कूल में हुई घटना, जहाँ एक छात्र ने अपने ही शिक्षक पर हमला कर दिया, यह सवाल और गंभीर हो जाता है। यह घटना सिर्फ एक शिक्षक और एक छात्र के बीच का विवाद नहीं बल्कि पूरे शिक्षा–तंत्र और समाज के लिए चेतावनी है। भारतीय परंपरा में गुरु को ईश्वर से भी उच्च स्थान दिया गया है दृ गुरु ब्रह्मा, गुरु विष्णु, गुरु देवो महेश्वरः। लेकिन आज की वास्तविकता यह है कि कई जगहों पर शिक्षक–छात्र संबंधों में खटास बढ़ती जा रही है। पहले शिक्षक की डांट को भी विद्यार्थी प्यार और मार्गदर्शन मानते थे, आज वही डांट अपमान या प्रताड़ना लगती है। मोबाइल और इंटरनेट ने छात्रों को स्वतंत्रता तो दी है, लेकिन साथ ही उनमें अहंकार और अनुशासनहीनता भी बढ़ाई है। किसी भी बच्चे के व्यक्तित्व की नींव घर पर रखी जाती है। अगर घर में अनुशासन, संस्कार और मर्यादा का माहौल होगा तो बच्चा वही सीखेगा। लेकिन आज की भागदौड़ भरी जिंदगी में माता–पिता बच्चों को समय नहीं दे पा रहे। टेलीविज़न, मोबाइल और सोशल मीडिया बच्चों के 'गुरु' बन गए हैं। नशे और हिंसा जैसी प्रवृत्तियों तक छात्रों की पहुँच आसान हो चुकी है। नतीजा यह कि जब शिक्षक बच्चे को सही राह दिखाने की कोशिश करता है, तो छात्र उसे रोक–टोक या बंधन मानकर विद्रोह कर बैठता है। वर्तमान शिक्षा प्रणाली का सबसे बड़ा संकट यह है कि शिक्षा का उद्देश्य केवल नौकरी और अंक तक सीमित रह गया है। नैतिक शिक्षा, जीवन मूल्य और चरित्र निर्माण पर जोर लगभग समाप्त हो गया है। बच्चों को 'क्या बनना है' यह तो सिखाया जा रहा है, लेकिन 'कैसा इंसान बनना है' यह कहीं खो गया है। प्रतियोगिता की दौड़ में छात्रों पर दबाव इतना बढ़ गया है कि उनमें सहनशीलता और धैर्य की जगह अधीरता और आक्रामकता ने ले ली है। एक छात्र का अपने शिक्षक पर हमला करना केवल एक व्यक्ति पर हमला नहीं है, बल्कि यह पूरी शिक्षा प्रणाली और समाज के लिए शर्मनाक है।

इसके दूरगामी परिणाम हो सकते हैं। शिक्षक छात्रों को अनुशासित करने से कतराएँगे, विद्यालय की गरिमा को आघात पहुँचेगा और समाज में गलत संदेश जाएगा कि यदि छात्र ही शिक्षक का आदर नहीं करेंगे तो समाज में वरिष्ठों और बड़ों के प्रति सम्मान कैसे बना रहेगा। इस तरह की घटनाएँ केवल विद्यालय स्तर की समस्या नहीं हैं, बल्कि यह कानून–व्यवस्था से भी जुड़ी हैं। ऐसे मामलों में तुरंत और सख्त कार्रवाई होनी चाहिए ताकि छात्र और अभिभावक दोनों यह समझें कि अनुशासनहीनता बर्दाश्त नहीं होगी। साथ ही यह भी सुनिश्चित किया जाना चाहिए कि ऐसे बच्चों के पुनर्वास और परामर्श की भी व्यवस्था हो। अगर हमें छात्रों को सही दिशा में ले जाना है तो केवल सजा या डर से यह संभव नहीं होगा। इसके लिए बहुआयामी कदम उठाने होंगे। परिवार को बच्चों के साथ संवाद बढ़ाना होगा और घर में अनुशासन और संस्कार का वातावरण बनाना होगा। शिक्षा प्रणाली में सुधार की आवश्यकता है, पाठ्यक्रम में नैतिक शिक्षा, मूल्य–आधारित शिक्षा और चरित्र निर्माण की गतिविधियाँ अनिवार्य की जानी चाहिए। शिक्षक को भी बच्चों की मानसिकता को समझते हुए संवाद की शैली बदलनी होगी। डांट या डर की बजाय समझाना और विश्वास दिलाना होगा। विद्यालयों में काउंसलिंग कक्ष अनिवार्य होने चाहिए और आक्रामक प्रवृत्ति वाले बच्चों को समय पर मनोवैज्ञानिक सहायता दी जानी चाहिए। समाज और मीडिया को भी अपनी भूमिका निभानी होगी, हिंसक और नकारात्मक सामग्री के प्रभाव को कम करना होगा और सकारात्मक आदर्श प्रस्तुत करने होंगे। "छात्र किस दिशा में जा रहे हैं?" यह सवाल केवल एक घटना से उपजा हुआ प्रश्न नहीं है, बल्कि पूरे समाज की स्थिति पर एक गहरा चिंतन है। यदि आज ही हम बच्चों को अनुशासन, सम्मान और संस्कार की सही राह नहीं दिखाएंगे तो आने वाली पीढ़ी में शिक्षक–छात्र संबंध और समाज की संरचना दोनों कमजोर हो जाएँगे। समाधान परिवार, विद्यालय, समाज और प्रशासनकृसभी के संयुक्त प्रयास में छिपा है। शिक्षा केवल डिग्री दिलाने का माध्यम न होकर चरित्र निर्माण और जीवन मूल्य का संस्कार बने, तभी हम कह पाएंगे कि हमारे छात्र सही दिशा में जा रहे हैं।

भारत चाहता है यह युद्ध का नहीं, शांति का दौर बने

–ललित गर्ग

दुनिया आज एक ऐसे दौर से गुजर रही है, जहां युद्ध और हिंसा ने सभ्यता की प्रगति को खतरे में डाल दिया है। रूस–यूक्रेन संघर्ष इसके ताजे उदाहरण के रूप में हमारे सामने है। इस युद्ध ने न केवल यूरोप की स्थिरता को हिलाकर रख दिया है, बल्कि पूरी वैश्विक अर्थव्यवस्था को गहरे संकट में डाल दिया है। हजारों लोग मारे गए, लाखों लोग शरणार्थी बने और ऊर्जा तथा खाद्यान्न संकट ने विकासशील देशों को प्रभावित किया। ऐसे कठिन समय में भारत ने अपनी पारंपरिक नीति–अहिंसा, निशस्त्रीकरण और अयुद्ध का परिचय कराते हुए यह स्पष्ट किया है कि युद्ध किसी भी समस्या का समाधान नहीं हो सकता। यूक्रेन के राष्ट्रपति बोलोदिमीर जेलेंस्की को भारत आने का निमंत्रण देकर भारत ने संकेत दिया है कि युद्ध विराम एवं शांति समझौता कराने में भारत सक्रिय भूमिका निभा सकता है, निश्चित ही इस कदम का स्वागत होना चाहिए। रूस एवं यूक्रेन को भारत बातचीत की टेबल पर ले आता है, तो यह पूरी दुनिया के हित में होगा, इससे युद्ध का अंधेरा नहीं, शांति का उजाला होगा। भारत द्वारा यूक्रेन के राष्ट्रपति को भारत आने का निमंत्रण देना केवल शांति प्रयासों का हिस्सा ही नहीं है, बल्कि यह अमेरिका की चालों को करारा जवाब देने वाला एक कूटनीतिक कदम भी है। हाल के दौर में अमेरिका ने भारत पर ट्रेड टैरिफ लगाकर और विभिन्न आर्थिक दबाव बनाकर उसकी अर्थव्यवस्था को अस्थिर एवं अस्तव्यस्त करने की कोशिश की है। किंतु मोदी सरकार ने अपनी दृढ़ कूटनीति से यह संदेश दिया है कि भारत अब किसी दबाव में आने वाला नहीं है। जेलेन्स्की को आमंत्रित कर भारत ने यह दिखा दिया कि वह रूस और यूक्रेन दोनों के साथ संवाद रखकर स्वतंत्र नीति अपनाने में सक्षम है और अमेरिका की अपेक्षाओं के आगे झुकने के बजाय अपनी शांति और संतुलन की राह पर आगे बढ़ रहा है। यह कदम भारत की आत्मनिर्भर, साहसी और वैश्विक नेतृत्वकारी भूमिका का प्रमाण है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बार–बार कहा है–'यह युद्ध का दौर नहीं है।' यह वाक्य केवल एक कूटनीतिक कथन नहीं, बल्कि भारत की शाश्वत नीति और सांस्कृतिक दृष्टिकोण का प्रतिनिधित्व करता है। रूस–यूक्रेन युद्ध के दौरान भारत ने केवल शब्दों तक ही सीमित भूमिका नहीं निभाई, बल्कि ठोस मानवीय प्रयास भी किए। 'ऑपरेशन गंगा' के अंतर्गत हजारों भारतीय छात्रों और नागरिकों को सुरक्षित बाहर निकाला गया। भारत ने यूक्रेन को दवाइयां, मानवीय सहायता और राहत सामग्री भेजी। भारत ने रूस और यूक्रेन, दोनों से संवाद बनाए रखा। पिछले साल अगस्त में नरेन्द्र मोदी यूक्रेन जाने वाले पहले भारतीय प्रधानमंत्री बने थे। इससे पहले उन्होंने रूस की यात्रा की थी। प्रधानमंत्री मोदी ने रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन और यूक्रेनी राष्ट्रपति वोलोदिमीर ज़ेलेन्स्की से निरन्तर बातचीत में भी भारत का रूख स्पष्ट किया कि शांति बहाल होनी चाहिए, यह युद्ध का दौर नहीं, बल्कि शांति एवं विकास का दौर है। अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप एवं रूसी राष्ट्रपति पुतिन के बीच अलास्का में हुई शिखर वार्ता का भी भारत ने स्वागत किया और कहा था कि बातचीत एवं कूटनीति ही आगे बढ़ने एवं युद्ध विराम का रास्ता है। रूस और यूक्रेन के बीच यदि कभी बातचीत की प्रक्रिया शुरू होती है, तो उसमें भारत की भूमिका निर्णायक हो सकती है। आज भारत की छवि एक विश्वसनीय मध्यस्थ के रूप में उभरी है। भारत न केवल जनसंख्या और अर्थव्यवस्था के लिहाज से बड़ा देश है, बल्कि सांस्कृतिक और नैतिक दृष्टि से भी विश्व में एक अलग पहचान रखता है। गांधी की भूमि, बुद्ध की करुणा और महावीर की अहिंसा से प्रेरित यह राष्ट्र यदि शांति का झंडा उठाता है, तो उसकी आवाज को अनसुना नहीं किया जा सकता। यही कारण है कि पूरी दुनिया आज भारत से अपेक्षा कर रही है कि वह शांति का नेतृत्व करे। भारत की यह भूमिका उसे केवल एक उभरती महाशक्ति ही नहीं बनाती, बल्कि 'विश्वगुरु' के रूप में स्थापित करती है। क्योंकि भारत जानता है–'शांति ही मानवता का वास्तविक मार्ग है, और अहिंसा ही उसकी सबसे बड़ी शक्ति।' भारत की शांति नीति केवल रूस–यूक्रेन युद्ध तक सीमित नहीं रही है। चाहे ईरान–इजरायल, इजरायल–हमास युद्ध हो, अफगानिस्तान का संकट हो या मध्य पूर्व की उथल–पुथल–भारत ने हमेशा संवाद और कूटनीति को प्राथमिकता दी है। प्रधानमंत्री मोदी ने जी–20 शिखर सम्मेलन में विश्व नेताओं से कहा कि मानवता के सामने जो चुनौतियां हैं, उनका समाधान युद्ध से नहीं, बल्कि सहयोग–शांति–सौहार्द से मिलेगा। उन्होंने विकासशील देशों की पीड़ा और युद्ध से उत्पन्न आर्थिक संकट को सामने रखकर यह स्पष्ट किया कि युद्ध का खामियाजा गरीब और छोटे देशों को सबसे ज्यादा भुगतना पड़ता है। आज की दुनिया में हथियारों की होड़ और सामरिक प्रतिस्पर्धा बढ़ रही है। युद्ध केवल मोर्चे पर ही नहीं, बल्कि तकनीकी, साइबर और आर्थिक क्षेत्रों में भी लड़े जा रहे हैं। ऐसे समय में भारत की अहिंसा और अयुद्ध की नीति मानवता के लिए प्रकाशस्तंभ का काम कर रही है। भारत का इतिहास शांति और अहिंसा का इतिहास है। भगवान महावीर ने अहिंसा को सर्वोच्च धर्म बताया। उन्होंने कहा–"अहिंसा परमो धर्मः"। गौतम बुद्ध ने करुणा और मैत्री का संदेश दिया और पूरी एशिया भूमि को 'शांति क्षेत्र' बनाने की दृष्टि दी। महात्मा गांधी ने इसी परंपरा को आधुनिक राजनीति में रूपांतरित किया। उन्होंने दिखाया कि सत्य और अहिंसा के आधार पर साम्राज्यवाद जैसी शक्तिशाली सत्ता को भी परास्त किया जा सकता है। भारत की आत्मा में यह विश्वास गहराई से निहित है कि हिंसा केवल विनाश लाती है और शांति ही स्थायी समाधान है। इसी विरासत को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अंतरराष्ट्रीय मंचों पर पुनर्जीवित किया है। 2022 में जब रूस–यूक्रेन युद्ध तेज हुआ, तब संयुक्त राष्ट्र, जी–20 और ब्रिक्स जैसे मंचों पर मोदी ने दृढ़ता से कहा–'आज का समय युद्ध का नहीं, बल्कि शांति, स्थिरता और सहयोग का है।' भारत ने इस सत्य को समय रहते समझा और दुनिया को यह संदेश दिया कि 'शांति ही भविष्य है, युद्ध नहीं।' इसे आधुनिक कूटनीति में उतारकर यह साबित किया है कि भारत केवल

अपने लिए नहीं, बल्कि पूरी मानवता के लिए सोचता है। स्वतंत्रता के बाद भारत ने अंतरराष्ट्रीय राजनीति में गुटनिरपेक्ष नीति अपनाई। शीत युद्ध के समय जब दुनिया अमेरिका और सोवियत संघ के दो खेमों में बंटी हुई थी, तब भारत ने यह साहस दिखाया कि वह किसी एक महाशक्ति का पिछलग्गू नहीं बनेगा। पंडित जवाहरलाल नेहरू, युगोस्लाविया के राष्ट्रपति टिटो और मिस्र के राष्ट्रपति नासिर ने मिलकर गुटनिरपेक्ष आंदोलन की नींव रखी। इसका उद्देश्य था–दुनिया के देशों को युद्ध की राजनीति से दूर रखना और शांति व सहयोग की नई राह खोलना। भारत की अहिंसा की नीति कहती है कि स्थायी समाधान केवल शांति और संवाद में है। अयुद्ध की नीति कहती है कि किसी भी गुट का पिछलग्गू बने बिना स्वतंत्र दृष्टिकोण अपनाना ही असली ताकत है। भारत ने दिखाया है कि यह नीति केवल आदर्श नहीं, बल्कि व्यावहारिक कूटनीति भी है। जब पूरी दुनिया किसी एक पक्ष में बंट रही हो, तब भारत जैसे देश का संतुलित रुख ही शांति की संभावना को जीवित रख सकता है। आज, जब रूस–यूक्रेन युद्ध के कारण पश्चिमी देश और रूस आमने–सामने खड़े हैं, भारत ने उसी गुटनिरपेक्ष दृष्टिकोण को अपनाया है। भारत न तो रूस के पक्ष में खड़ा हुआ है और न ही अंधाधुंध रूप से पश्चिम का समर्थन कर रहा है। उसने संवाद और कूटनीति को ही एकमात्र रास्ता बताया है। यही भारत की 'अयुद्ध नीति' है–जहां किसी से शत्रुता नहीं, बल्कि सबके साथ संतुलित संबंध रखकर शांति के लिए काम करना है। भारत ने अमेरिकी और यूरोपीय दबाव के बावजूद कभी भी केवल एक पक्ष का समर्थन नहीं किया। यही उसकी सबसे बड़ी ताकत है। अमेरिका और पश्चिमी देश चाहते थे कि भारत खुले रूप से रूस की निंदा करे और उस पर प्रतिबंध लगाए। किंतु भारत ने साफ कहा कि उसका दृष्टिकोण 'तटस्थ' ही नहीं, बल्कि 'शांति–उन्मुख' है। भारत का लक्ष्य किसी के खिलाफ खड़ा होना नहीं, बल्कि सबको शांति की राह पर लाना है। यही कारण है कि रूस और यूक्रेन, दोनों भारत पर भरोसा करते हैं। दोनों मानते हैं कि भारत बिना पूर्वाग्रह के समाधान का मार्ग खोज सकता है।

ट्रम्प के रुख से चीन-भारत करीब आये

–संजीव ठाकुर

अमेरिका में 60वें राष्ट्रपति चुनाव के बाद चुनाव से अमेरिका में 47 वें राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप तथा 50 वें उपराष्ट्रपति जे डी वेन्स चुने गए। डोनाल्ड ट्रंप ने चुनाव के पूर्व घोषणा की थी कि उनके राष्ट्रपति चुने जाने के बाद वे रूस यूक्रेन युद्ध और इसराइल हमास युद्ध को तत्काल रुकवाएंगे और वैश्विक आर्थिक तथा सामरिक शांति का प्रादुर्भाव करेंगे। अमेरिका एक शक्ति संपन्न राष्ट्र है और उसकी नीतियां,राजनीति एवं कूटनीति पूरी दुनिया के देशों को प्रभावित करती है। वह राजनीतिक सामरिक अथवा व्यापारिक लेनदेन के समझौते या युद्ध में मदद की बात को लेकर अमेरिका का दखल लगभग सभी मसलों में एक जैसा रहता है। यह अलग मुद्दा है कि पश्चिम एशिया,चीन, रूस एवं नॉर्थ कोरिया जैसे देश अमेरिका के धुर विरोधी रहे हैं। चीन और रूस के सामरिक,व्यापारिक और एटॉमिक मसलों पर अमेरिका से टकराते रहे हैं। यह गौर किए जाने वाली बात है कि अमेरिका के राष्ट्रपति ही अमेरिका सहित अन्य कई देशों के दिशा–निर्देश तय करते थे, पर राष्ट्रपति चुने के जाने के बाद डोनाल्ड ट्रंप ने अपनी घोषणाओं के उलट ना तो वे रूस यूक्रेन युद्ध रुकवा पाए हैं बल्कि ईरान पर बड़े हवाई जहाज हमले से एक नया विवाद खड़ा कर दिया था ले देकर ईरान इजरायल युद्ध रुकवा पाए हैं। दूसरी तरफ नए आयात टैरिफ लगाकर पूरे वैश्विक देश में बेचैनी तथा खलबली मचा दी है। वैश्विक आर्थिक सलाहकार और विशेषज्ञ किस डोनाल्ड ट्रंप की सनक ही बता रहे हैं। और उनके आयत टैरिफ को बहुत ही अपरिपक्व निर्णय की संज्ञा दे रहे हैं। डोनाल्ड ट्रंप ने यूरोपीय देश तथा अन्य पश्चिमी देशों में आयात शुल्क पर काफी दरियादिली दिखाई है और यही वजह है कि नाटो तथा अन्य यूरोपीय देश अमेरिका का अभी भी समर्थन कर रहे हैं। अमेरिका के चुनाव के नतीजे से भारत के रिश्तों में काफी परिवर्तन हुआ है, डोनाल्ड ट्रंप के पूर्व कार्यकाल में भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी एवं डोनाल्ड ट्रंप के संबंध निजी तौर पर काफी प्रगाढ़ रहे थेजो। डोनाल्ड ट्रंप पाकिस्तान में दी जाने वाली अमेरिकी सहायता के खिलाफ रहे पर अब पाकिस्तान पर उनकी मेहरबानियां काफी बढ़ गई है। उन्होंने पाकिस्तान सेनाध्यक्ष को व्हाइट हाउस में लंच में बुलाकर पाकिस्तान के प्याले में तूफान लाकर खड़ा कर दिया है। पाकिस्तान की निराश उम्मीद पर पंख लग गए हैं। डोनाल्ड ट्रंप ने चुनाव जीतकर चीन पर भी नियंत्रण रखने का प्रयास किया है । अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति जो बाईडेन रूस यूक्रेन युद्ध के मध्य भारत द्वारा रूस से कच्चा तेल लिए जाने पर खासा नाराज हुए थे। भारत पर काफी दबाव भी डाला गया पर भारत ने यह स्पष्ट कर दिया था कि रूस भारत का परंपरागत मित्र होने की वजह से और 1971 में पाकिस्तान के विरुद्ध रूस ने भारत की एक तरफा मदद भी की थी। ऐसे में भारत स्पष्ट रूप से रूस के साथ सामरिक–आर्थिक मामलों में खड़ा हुआ है। आज की ताजा परिस्थिति का आंकलन करें तो अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की दोस्ती उनके चुनाव के परम सहयोगी टेस्ला के मालिक से पूरी तरह टूट चुकी है, दूसरी तरफ भारत तथा चीन ब्राजील व अन्य राज्यों पर भारी आयात शुल्क लगाने पर डोनाल्ड ट्रंप की भारत विरोधी नीति खुलकर सामने आ गई है अमेरिका ने पाकिस्तान जैसे महत्वहीन और फकीर देश को अपना नया शागिर्द बना लिया है। ट्रंप और पुतिन की रूस यूक्रेन युद्ध को लेकर शांति वार्ता पूर्ण रूप से विफल रही, पुतिन ने अपनी शर्तें डोनाल्ड ट्रंप को साफ तौर पर बता कर कह दिया कि यूक्रेन को नाटो की किसी भी परिस्थिति में सदस्यता ना दी जाए। उधर यूक्रेन ने भी अमेरिका से बातचीत के बाद उसका रूस के साथ युद्ध विराम वाले आदेश को मानने से साफ इनकार कर दिया है। डोनाल्ड ट्रंप ने रूस द्वारा भारत को कम कीमत पर कच्चे तेल निर्यात किए जाने से कुपित होकर भारत पर 25 से लेकर 50: तक आयात शुल्क लागू किया है। भारत ने इस अमेरिकी रुख पर अडिग होकर भारतीय व्यापार तथा नागरिकों को प्राथमिकता देने की घोषणा की है। और अमेरिका का वैकल्पिक बाजार तलाशने के तारतम्य में रूस के साथ दोस्ती को और मजबूत कर चीन के साथ भी दोस्ताना हाथ बढ़ाया है। विदेश मंत्री जयशंकर और एनआईए प्रमुख अजीत डोभाल की चीन की यात्रा उसके तुरंत बाद चीनी विदेश मंत्री ने भारत की यात्रा की है।

युवा और ओबीसी की बातों को अनसुना न करे सरकार

–अमर बहादुर

उत्तर प्रदेश की भाजपा सरकार का जो वर्तमान हालात सामाजिक न्याय और राजनीतिक समन्वय का है उससे यह स्पष्ट है की भाजपा का सबका साथ, सबका विकास का नारा चुनावी जुमलाश् बनकर रह गया। बिगड़ते सामाजिक व राजनितिक समन्वय और सामाजिक न्याय के हालात से युवा वर्ग तो नाराज है ही, साथ ही भाजपा गठबंधन में शामिल सहयोगी दल के पिछड़ा दलित समाज के नेता भी खुश नहीं हैं। पिछड़े दलित वंचित वर्ग का युवा सड़कों पर आंदोलन कर रहा है। न्याय की गुहार लगा रहा है। लेकिन कहीं भी उसकी बातों को सुना नहीं जा रहा। कहीं कोई सुन भी ले रहा है तो केवल आश्वासन देकर छोड़ देता है। पिछले दिनों विधानसभा के सामने दिव्यांग लोगों ने सरकार के नीतियों से नाराज होकर विरोध प्रदर्शन किया। पुलिस के हस्तक्षेप के बाद उच्च अधिकारियों से बात होने पर दिव्यांगों ने अपना प्रदर्शन समाप्त किया। ऐसे ही उत्तर प्रदेश में 69000 शिक्षक भर्ती मामले को लेकर आरक्षित वर्ग के अभ्यर्थी वर्ष 2020 से लगातार आंदोलन कर रहे हैं अभ्यर्थियों का आरोप है कि 69000 शिक्षक भर्ती में ओबीसी और एससी वर्ग को मिलने वाले आरक्षण का लाभ ठीक प्रकार से नहीं दिया गया। जिस कारण से हजारों की संख्या में अभ्यर्थी नौकरी पाने से वंचित हो गए। आंदोलन करने वाले अभ्यर्थी इस मामले को कोर्ट में भी लेकर गए। इलाहाबाद हाई कोर्ट की डबल बेंच ने अपना फैसला सुनाते हुए भर्ती की नई चयन सूची बनाने का आदेश दिया। इसे आरक्षित वर्ग के अभ्यर्थियों ने अपनी जीत माना। उन्हें इंतजार था की नई सूची बनेगी और नौकरी मिल जाएगी। लेकिन सरकार और अधिकारियों की लापरवाही ने इस मामले पर ब्रेक लगा दिया। वही नौकरी से बाहर होने की आशंका को लेकर कुछ सामान्य वर्ग के अभ्यर्थी सुप्रीम कोर्ट चले गए। अब यह प्रकरण पिछले लगभग एक साल से सुप्रीम कोर्ट में चल रहा है सुनवाई नहीं हो पा रही। आरक्षित वर्ग के अभ्यर्थी सुनवाई न होने का आरोप सरकार लगाते हुए कहते हैं।

कार और बाइक के एक्सीडेंट में दो सगे भाइयों सहित चार युवकों की मौत!

हेलमेट-सीटबेल्ट के प्रयोग में लापरवाही बढ़ा रहा मौत का आंकड़ा-आशुतोष सोती

मनोज श्रीवास्तव

सुमित मोनू रेहान लवकुश

लखनऊ। ग्रेटर नोएडा में सोमवार को भीषण सड़क हादसे में कार और बाइक की टक्कर से 4 दोस्तों की मौत हो गई। चारों एक ही बाइक पर सवार थे और हेलमेट भी नहीं लगाए थे। चश्मदीदों के अनुसार कार से टक्कर होते ही चारों की लाशें सड़क पर ही बिखर गईं। हादसा थाना ईकोटेक –3 क्षेत्र के ग्राम कुलेसरा पुस्ता रोड पर हुआ। प्राप्त जानकारी के अनुसार टीवीएस राइडर बाइक से सुमित, लवकुश, रिहान और मोनू ठाकुर जा रहे थे। इस दौरान सामने से आ रही वैगनआर कार (यूपी 16 सीआर 3293) से उनकी टक्कर हो गई। हादसे में चारों लड़के गंभीर रूप से घायल हो गए। घायलों को तुरंत अस्पताल में भर्ती कराया गया। वहां इलाज के दौरान सभी की मौत हो गई। मृतकों की उम्र 16 से 18 साल के बीच थी। सुमित और लवकुश दोनों सगे भाई हैं। जबकि, रिहान और मोनू ठाकुर एक फैक्ट्री में काम करते हैं। पुलिस ने कार को कब्जे में लेकर ड्राइवर को हिरासत में ले लिया। शवों को पोस्टमॉर्टम के लिए भेजा गया है। मौके पर मृतकों के घरवाले मौजूद हैं। पुलिस घरवालों की शिकायत पर आगे की कार्रवाई कर रही है। चारों लड़कों के परिवारवालों का रो–रो कर बुरा हाल है। रिहान और मोनू हबीबपुर में एक फैक्ट्री में काम करते थे। सुमित और लवकुश 8वीं के स्टूडेंट थे। उनके पिता एक कंपनी में काम करते हैं। चारों दोस्त अक्सर रील बनाने के लिए पुश्ता रोड की तरफ जाते थे। माना जा रहा है कि आज भी रील बनाने के लिए ही चारों बाइस से वहां गए थे। लौटते समय हादसा हो गया। घटनास्थल पर मौजूद लोगों ने बताया कि चारों लड़के एक ही बाइक पर सवार थे। बाइक चला रहा लड़का हेलमेट भी नहीं लगाए था। बाइक की रफ्तार काफी तेज थी। सामने से आ रही कार की भी रफ्तार भी तेज थी। दोनों की आमने–सामने टक्कर हो गई। टक्कर लगते ही चारों लड़के उछलकर दूर सड़क पर जा गिरे। डीसीपी शक्ति मोहन अवस्थी ने बताया थाना ईकोटेक क्षेत्र में कार और बाइक की भिड़ंत हो गई। इसमें 4 दोस्तों की मौत हो गई है। कार चालक को हिरासत में लिया गया है। कानूनी कार्रवाई की जा रही है।ईएमओ नोएडा जिला अस्पताल की डॉ. ऐश्वर्या ने बताया कि दोपहर करीब ढाई बजे 4 लड़के लाए गए थे। चारों का ईसीजी कराया गया, तो वह मृत पाए गए। चारों को मृत अवस्था में लाया गया था। राजधानी लखनऊ में सड़क सुरक्षा पर काम करने वाले शुभम सोती फाउंडेशन के अध्यक्ष आशुतोष सोती ने बताया बिना हेलमेट और बिना सीटबेल्ट की यात्रा सबसे असुरक्षित है। उत्तर प्रदेश में हर वर्ष हजार मौत होने के दो प्रमुख कारण हैं। पहला सुरक्षा नियमों की अनदेखी दूसरा दुर्घटना के बाद नजदीकी अस्पताल में पहुंचने में देरी। यह बहुत बड़ी बिडम्बना है कि आज भी सड़क दुर्घटना के बाद पीड़ितों को अस्पताल पहुंचाने के लिये घण्टों पुलिस और एम्बुलेंस की प्रतीक्षा करना पड़ता है। एक जागरूकता अवश्य आयी है कि लोग मोबाइल से दुर्घटना की सूचना 112 पर बेधड़क देने लगे हैं। जब घायलों को अस्पताल पहुंचाने में जागरूकता बड़ी तभी समाज आगे बढ़ कर तत्परता से घायलों को अस्पताल पहुंचायेगा। सरकारों की बहुत कोशिश के बाद भी आम आदमी पुलिसिया पूछ–ताछ से बचना चाहता है। बिना कानूनी उलझन में पड़े सहयोग करने की स्थिति तक पहुंच गया है।

होम्योपैथी विभाग में हैं फर्जी शिक्षक : कब होगी कार्रवाई

सुधीर श्रीवास्तव

लखनऊ। प्रान्तीय होम्योपैथिक चिकित्सक संघ उत्तर प्रदेश के भूतपूर्व उपाध्यक्ष और चिकित्सक डॉ ओम प्रकाश ने एक वक्तव्य जारी कर बताया कि प्रदेश के होम्योपैथिक विभाग में कई फर्जी शिक्षक कार्यरत है। चिकित्सा जैसे क्षेत्र में फर्जी शिक्षकों के होने से चिकित्सा शिक्षा की व्यवस्था पर विपरीत प्रभाव पड़ना स्वाभाविक है। ऐसे शिक्षक मेडिकल के बच्चों को कैसे और क्या पढ़ाते होंगे इसका सहज ही अनुमान लगाया जा सकता है। इसके साथ ही इन फर्जी और वांछित योग्यता से हीन शिक्षकों के द्वारा मेडिकल की शिक्षा प्राप्त कर तैयार हुए नए चिकित्सक अपने मरीजों को क्या उपचार प्रदान कर पाएंगे, यह भी विचारणीय है। डॉक्टर ओमप्रकाश ने बताया कि इस संबंध में शासन को उन्होंने कई बार पत्र लिखकर वस्तु स्थिति से अवगत भी कराया है। उन्होंने अपने पत्रों के साथ ही प्रकरण से संबंधित 25 साक्ष्य भी शासन को प्रेषित किए जिनसे इन फर्जी शिक्षकों के प्रकरण का पूर्ण खुलासा हो जाएगा। उन्होंने बताया कि संबंधित राज्य चिकित्सा बोर्ड द्वारा प्रमाण पत्र के सत्यापन से यह स्पष्ट हो गया है कि विभाग द्वारा उक्त चिकित्सकों के लिए कोई अनुभव प्रमाण पत्र अथवा कार्य करने का प्रमाण जारी नहीं किया गया है। इस प्रकार इन शिक्षकों ने फर्जी तरीके से प्रमाण पत्र तैयार कराकर नियुक्ति प्राप्त की जो अपराध की श्रेणी में आता है। सरकार को ऐसे फर्जी शिक्षकों की जांच कराकर उन पर जनहित में एफआईआर दर्ज कर कार्रवाई की जानी चाहिए, जिससे कि भविष्य में इस प्रकार से फर्जी चिकित्सकों की नियुक्ति न होने पाए।

परिवहन मंत्री दयाशंकर सिंह के द्वारा सिविल लाइन बस स्टेशन पर ओमेक्स के साइट ऑफिस कार्यालय का फीता काटकर किया गया उद्घाटन

प्रदेश सरकार आम जनता को सुविधा युक्त परिवहन सेवा प्रदान करने के लिए पूर्णतया कटिबद्ध- परिवहन मंत्री

लखनऊ ब्यूरो

लखनऊ। उत्तर प्रदेश राज्य सड़क परिवहन निगम एवं प्रतिष्ठित रियल एस्टेट कम्पनी ओमक्स बीटूगेदर के मध्य उत्तर प्रदेश के 06 बस स्टेशनों पुराना बस स्टेशन गाजियाबाद, गोमती नगर लखनऊ, अयोध्या धाम, सिविल लाईन प्रयागराज, अमौसी लखनऊ एवं कौशाम्बी गाजियाबाद को पी0पी0पी0 मॉडल पर विकसित किया जाना प्रस्तावित है। प्रस्तावित परियोजना के अन्तर्गत कम्पनी द्वारा दिनांक 25.08.2025 को सिविल लाईन बस स्टेशन प्रयागराज पर साइट ऑफिस का शुभारंभ विधिवत पूजा–अर्चना के साथ सम्पन्न हुआ। इस शुभ अवसर पर ओमेक्स लिमिटेड कम्पनी के वरिष्ठ अधिकारियों एवं उत्तर प्रदेश राज्य सड़क परिवहन निगम प्रयागराज क्षेत्र के क्षेत्रीय प्रबन्धक एव अन्य अधिकारियों के साथ–साथ परियोजना टीम, स्थानीय गणमान्य तथा कर्मचारियों ने उत्साहपूर्वक प्रतिभाग किया गया। पूजा–अर्चना के पश्चात कम्पनी प्रतिनिधि द्वारा अवगत कराया गया कि इस परियोजना का उद्देश्य यात्रियों को आधुनिक, सुरक्षित और सुविधाजनक बस टर्मिनल उपलब्ध कराना है। परिवहन मंत्री द्वारा अपने वक्तव्य में कहा गया कि यह परियोजना उत्तर प्रदेश राज्य सड़क परिवहन निगम एवं ओमेक्स लिमिटेड का नया ब्रांड बीटूगेदर के मध्य आपसी सहमति के आधार (DBFOT) पर बस स्टेशन को पी. पी.पी. मॉडल पर विकसित किये जाने का प्रस्ताव है। इस परियोजना का उद्देश्य आम नागरिकों को सुरक्षित, सुविधाजन, समयबद्व परिवहन सेवाएं उपलब्ध कराये जाने हेतु प्रदेश सरकार आम जनता को सुविधा युक्त परिवहन सेवा प्रदान करने के लिए पूर्णतया कटिबद्व है। इस अवसर पर ओमेक्स लिमिटेड के सुनील कुमार सोलंकी, प्रेसिडेंट एवं बिजनेस हेड, द्वारा अपने वकतव्यं में कहां गया कि ''यह हमारे लिए गर्व का विषय है कि हम सिविल लाइन बस स्टेशन जैसे महत्वपूर्ण स्थान पर अत्याधुनिक सुविधाओं से युक्त परियोजना विकसित कर रहे हैं। हमारी प्राथमिकता है कि जनता को समय पर गुणवत्तापूर्ण

सुविधाएँ उपलब्ध कराई जाएँ और यह परियोजना क्षेत्र के आर्थिक एवं सामाजिक विकास में योगदान दे।'' परिवहन मंत्री जी द्वारा अपना कीमती समय निकाल कर साइट कार्यालय सिविल लाइंस बस स्टेशन प्रयागराज पर समय दिये जाने पर हम उनका हृदय से आभार प्रकट करते है।

संक्षिप्त

सर्वे फार्म के जरिये सरकार को बताएगे कुली अपना दर्द

संवाददाता

लखनऊ। अपनी समस्याओं और परेशानियों को लेकर राष्ट्रीय कुली मोर्चा बार–बार रेलवे और केन्द्र सरकार को अवगत कराता रहा है। परन्तु सत्ता पक्ष और पिपक्ष दोनों ही इनको उपेक्षा की ही दृष्टि से देखत रहे है। अब माराष्ट्रीय कुली मोर्चा ने देश भर में कुली समाज की समस्याओं को लेकर आज से चारबाग रेलवे स्टेशन से सरकार को जगाने के लिये एक नयी मुहिम की शुरूआत की है। राष्ट्रीय कुली मोर्चा के संयोजक रामसुरेश ने कुलियों को एक सर्व फॉर्म का वितरण कर जिसका शुभारंभ किया ! कुली इस फॉर्म के माध्यम से सरकार को अपना दर्द बया करेंगे। राम सुरेश के अनुसार आज से शुरू हुई इस मुहिम के माध्यम से सभी फार्म 15 सितंबर तक कुलियों को भरना होगा !

उप्र की आर्थिक, सांस्कृतिक ताकत को देगा नई पहचान, उपलब्धियों और योजनाओं का अनोखा संगम

संवाददाता

लखनऊ। उत्तर प्रदेश की आर्थिक एवं सांस्कृतिक ताकत को 'यूपी इंटरनेशनल ट्रेड शो' में दुनिया भर के निवेशकों और खरीदारों के समक्ष प्रदर्शित किया जाएगा। सोमवार को यहां जारी आधिकारिक बयान के अनुसार, 25 से 29 सितंबर तक ग्रेटर नोएडा में आयोजित होने वाले इस व्यापार मेले के तीसरे संस्करण की तैयारियां जोरों पर हैं। इस बार राज्य सरकार के विभिन्न विभाग अपनी उपलब्धियों, परियोजनाओं और प्रमुख योजनाओं को इसमें पेश करेंगे। बयान में कहा गया कि शहरी विकास, पर्यटन और संस्कृति तथा स्वच्छ गंगा मिशन पर केंद्रित विशेष 'स्टॉल' इस आयोजन को और भी आकर्षक बनाएंगे। इसके साथ ही, सिंचाई, खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन, स्वास्थ्य एवं अस्पताल, आयुष, तथा पर्यावरण एवं वन विभाग भी इसमें हिस्सा लेंगे। इसके अलावा, सीएम युवा मंडप, नव उद्यमी मंडप और साझेदार देश मंडप आकर्षण के प्रमुख केंद्र होंगे।

लखनऊ ने किया अपने लाल का स्वागत, कै.शुभांशु शुक्ला बोले, बहुत खुश हूं

संवाददाता

लखनऊ। अंतरिक्ष से धरती पर लौटने के बाद भारतीय अंतरिक्ष यात्री और वायुसेना के ग्रुप कैप्टन शुभांशु शुक्ला सोमवार, 25 अगस्त को अपने गृह नगर लखनऊ पहुँचे। शुभांशु शुक्ला बोले,अपने नगर में अपनों के प्यार को देख बहुत खुश हूं।एयरपोर्ट से लेकर सड़कों तक उनका स्वागत देखने लायक था। छोटे छोटे स्कूली बच्चे, समर्थक और बड़ी संख्या में लोग हाथों में तिरंगा और बैनर लिए नारे लगाते नजर आए। सुबह लखनऊ एयरपोर्ट पर शुभांशु शुक्ला का स्वागत करने के लिए भारी भीड़ उमड़ी।उत्तर प्रदेश के उपमुख्यमंत्री बृजेश पाठक स्वयं एयरपोर्ट पर मौजूद रहे और उन्होंने उन्हें गले लगाकर स्वागत किया। सिटी मॉन्टेसरी स्कूल के बच्चों ने भी तालियों और नारों के साथ उनका अभिनंदन किया। डिप्टी सीएम बृजेश पाठक ने कहा आज लखनऊ के लिए बहुत बड़ा दिन है। भारत का बेटा, लखनऊ का बेटा, आज अपने शहर आया है। जिस पल का शहरवासी इंतजार कर रहे थे, वह क्षण आ गया है। हम शुभांशु शुक्ला का पूरे दिल से स्वागत करते हैं। एयरपोर्ट से शुभांशु शुक्ला का विजय जुलूस कार रैली के रूप में निकला, जो गोमती नगर विस्तार कैंपस से जी–20 चौराहे तक गया। सड़कों पर खड़े लोगों ने फूल बरसाकर उनका अभिनंदन किया। शुभांशु शुक्ला के सम्मान में उनके विद्यालय सिटी मॉन्टेसरी स्कूल में विशेष समारोह आयोजित किया गया। इस मौके पर डिप्टी सीएम केशव प्रसाद मौर्य, बृजेश पाठक और कई वरिष्ठ

नेता मौजूद रहे। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने भी शुभकामनाएँ देते हुए कहा ,आपकी उपलब्धि साहस, समर्पण और विज्ञान के प्रति निष्ठा का प्रतीक है। आज हर भारतीय और विशेषकर उत्तर प्रदेशवासी गर्व महसूस कर रहे हैं। शुभांशु शुक्ला ने 26 जून को नासा के कैनेडी स्पेस सेंटर फ्लोरिडा, अमेरिका से एक्सिम मिशन–4 (एक्स–4) के तहत ड्रैगन स्पेसक्राफ्ट से उड़ान भरी थी। वे लगभग 20 दिन अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन पर रहे और इतिहास रचते हुए आईएसएस पर कदम रखने वाले पहले भारतीय बने। रविवार को रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने शुभांशु शुक्ला सहित ग्रुप कैप्टन पीवी नायर, ग्रुप कैप्टन अजीत कृष्णन और ग्रुप कैप्टन अंगद प्रताप का सम्मान किया। शुभांशु शुक्ला ने इस मौके पर कहा ,यह मिशन हमारे देश के लिए बड़ी उपलब्धि है और सही समय पर हुआ है। अब भारत मानवीय अंतरिक्ष उड़ान श्गगनयान, भारतीय अंतरिक्ष स्टेशन और चांद पर उतरने की दिशा में तेजी से आगे बढ़ रहा है।शुभांशु शुक्ला की इस उपलब्धि ने पूरे देश में गर्व की भावना जगा दी है। उनके लखनऊ आगमन ने संदेश दिया कि भारत का हर युवा मेहनत और लगन से अंतरिक्ष की नई ऊँचाइयों तक पहुँच सकता है।

एसजीपीजीआई की फर्जी वेबसाइट बनाकर ठगी, लखनऊ पुलिस की जांच में पुष्टि

संवाददाता

लखनऊ। संजय गांधी पीजीआई, लखनऊ ठगों ने फर्जी वेबसाइट बनाकर करोड़ों का फर्जीवाड़ा करने का मामला आमने आया है। ठग खुद को पीजीआई कर्मचारी बताकर कैंपस में बैठकर काम कर रहे थे। हैरानी की बात यह है कि प्रशासन को जानकारी होने के बावजूद अब तक एफआईआर दर्ज नहीं हुई। पीजीआई थाने के दरोगा ने इस मामले की जांच की। सच्चाई सामने आने के बाद रिपोर्ट पीजीआई के प्रशासनिक अधिकारियों को भेज दे, लेकिन अभी तक किसी ने मुकदमा दर्ज करने की तहरीर नहीं दी है। ठगों ने पीजीआई की फर्जी वेबसाइट तैयार की है। फर्जी नियुक्ति पत्र, आईडी कार्ड और सैलरी स्लिप तैयार की। इन्हीं फर्जी डॉक्यूमेंट्स से खुद को कर्मचारी दिखाकर बैंकों से लोन लिया गया। पुलिस की गोपनीय जांच में खुलासा हुआ कि अतुल प्रकाश मिश्रा नाम का कोई कर्मचारी पीजीआई में नहीं है। शक है कि इस पूरे नेटवर्क में पीजीआई के ही कुछ कर्मचारी और अधिकारी शामिल हैं। जांच में सच सामने आने के बाद भी एफआईआर दर्ज नहीं हुई।

पद्मनाभ तीसरी बार अध्यक्ष, जेपी चौथी बार महामंत्री बने

संवाददाता

लखनऊ। रवीद्रालय प्रेक्षागृह में दो दिवसीय महाधिवेशन में उ.प्र. लोक निर्माण विभाग मिनिस्टीरियल एसोसिएशन के अध्यक्ष पद पर तीसरी बार पद्मनाभ त्रिवेदी और महामंत्री पद पर चौथी बार जे.पी. पाण्डेय चुने गए। निर्वाचित पदाधिकारियों को चुनाव अधिकारी ने शपथ दिलाई। 41 वे प्रान्तीय द्विवार्षिक महाअधिवेशन व चुनाव में निर्विरोध निर्वाचित पदाधिकारीयों में प्रान्तीय अध्यक्ष पद्म नाभ त्रिवेदी ,प्रांतीय कार्यकारी अध्यक्ष गोपाल प्रसाद, प्रांतीय वरिष्ठ उपाध्यक्ष हेमन्त गूजर, प्रांतीय महामंत्री जे.पी.पाण्डेय, प्रान्तीय उपाध्यक्ष पंकज गोयल,राजीव श्रीवास्तव, सूर्यकान्त सोनी ,प्रांतीय संगठन मंत्री प्रशांत शर्मा, गंगादीन कुशवाहा व गिरिराज सिंह, प्रांतीय संगठन मंत्री महिला ममता रानी,सुमन रावत,नीलम चौधरी ,प्रांतीय वित्त मंत्री संजीव गुप्ता तथा प्रांतीय संप्रेक्षक अभिषेक श्रीवास्तव है। मतदान वाले पदों पर आज सुबह 7 बजे तक मतगणना हुयी व रात भरी चली। मतगणना के उपरांत विभिन्न क्षेत्रीय पदाधिकारियो का निर्वाचन भी संपन्न हुआ। यह जानकारी चुनाव अधिकारी यूपी सिंह, अध्यक्ष मिनिस्टीरियल एसोसिएशन पंचायती राज एवं उपेन्द्र नाथ त्रिपाठी अध्यक्ष उत्तर प्रदेश फेडरेशन ऑफ मिनिस्टीरियल सर्विस ने दी। उन्होंने बताया कि इसके अतिरिक्त 18 मंडलों में क्षेत्रीय अध्यक्ष, क्षेत्रीय महामंत्री, क्षेत्रीय कार्यकारी अध्यक्ष, क्षेत्रीय वरिष्ठ उपाध्यक्ष, क्षेत्रीय उपाध्यक्ष पदों पर भी निर्वाचन संपन्न हुआ। निर्वाचित प्रान्तीय अध्यक्ष पद्म नाभ त्रिवेदी और प्रांतीय महामंत्री जे. पी.पाण्डेय ने अधिवेशन के उद्घाटन पर अपना अमूल्य समय देने के लिए प्रदेश के उपमुख्यमंत्री श्रीबृजेश पाठक का मीडिया के माध्यम से आभार भी जताया। उन्होंने पदाधिकारियों से कहाकि हमारी सात सूत्रीय मांगों पर शासन और सरकार गम्भीर है हमें शीघ्र ही उसका लाभ मिलेगा।

दिल्ली के अक्षरधाम मन्दिर में विराजेंगे मनौतियों के राजा

झूलेलाल वाटिका पर 27 अगस्त से 6 सितम्बर तक होगा गणेश उत्सव

संवाददाता

लखनऊ। श्री गणेश प्राकट्य कमेटी की ओर से 20 वां श्री गणेश महोत्सव का आयोजन 27 अगस्त से 6 सितम्बर तक झूलेलाल वाटिका निकट हनुमान सेतु के पास किया जाएगा। श्मनौतियों के राजाष के नाम से होने वाले शहर के सबसे बड़े श्री गणेश महोत्सव के लिए विशाल पंडाल तैयार हो रहा है। कार्यक्रम की विस्तृत जानकारी कार्यक्रम स्थल झूलेलाल वाटिका पर सोमवार 25 अगस्त को प्रेसवार्ता के दौरान संरक्षक भारत भूषण गुप्ता ने दी। उन्होंने बताया कि पण्डाल बनाने के लिए कोलकाता के कुशल कारीगरों द्वारा पिछले करीब एक माह से पंडाल तैयार किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि बप्पा का दरबार दिल्ली के अक्षरध्ाम मन्दिर की तर्ज पर बन रहा है इसकी ऊंचाई 85 फीट होगी। पंडाल करीब 15000 वर्ग फुट में वातानुकूलित वाटर प्रूफ तैयार किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि पंडाल में आपरेशन सिंदूर में इस्तेमाल की गई ब्राम्होस्त्र मिसाइल जो पाकिस्तान के छक्के छुड़ा दिये, उसकी भी की झलक दिखेगी। अध्यक्ष घनश्याम अग्रवाल ने बताया कि महिलाओं व पुर्षों के अलग–अलग बैठने की व्यवस्था रहेगी। पंडाल के बाहर 14 हजार वर्ग फीट में कुर्सियां डाली जाएंगी। जिसपर लोग खुले में बैठकर बप्पा के भजनों व सांस्कृतिक कार्यक्रम का आनंद लेंगे। अध्यक्ष घनश्याम अग्रवाल ने बताया कि इस बार आम भक्तों श्रद्धालुओं का 10 करोड का बीमा कराया गया है। मनौतियों के राजा भगवान श्री गणेश का 25 लाख र्स्पए का बीमा कराया गया है। महामंत्री सतीश अग्रवाल ने बताया कि बप्पा की मूर्ति 6 फुट की मुंबई के सिद्धिविनायक की तर्ज पर तैयार की गई है। राजधानी के मूर्तिकार श्रवण प्रजापति श्री गणेश जी मुर्ति को तैयार कर रहे हैं। बप्पा की मूर्ति 26 अगस्त को पंडाल में पहुंचेगी। संस्था द्वारा सुरक्षा की दृष्टि से 25 महिला व 25 पुर्षों सुरक्षाकर्मियों व्यवस्था देंखेंगे। इसके अलावा पूरे पंडाल मे 60 सीसीटीवी कैमरे लगाये जा रहे है। उपाध्यक्ष व पार्षद रंजीत सिंह ने बताया कि कार्यक्रम में शासन प्रशासन, नगर निगम, पुलिस प्रशासन सभी का भरपूर सहयोग प्राप्त हो रहा है। उन्होंने बताया कि इस बार सांस्कृतिक कार्यक्रम कोलकाता के प्रसिद्ध संजय शर्मा के नेतृत्व में होंगे। उन्होंने बताया कि इस बार बीकानेर के मशहूर भजन गायक श्री प्रवेश शर्मा 29 अगस्त को बप्पा के दरबार अपनी प्रस्तुति देंगे। खलीलाबाद के चर्चित भजन गायक श्री रोमी सरदार 31 अगस्त को बप्पा के दारबार भजनों की वर्षा करेंगे। ग्वालियर के भजन गायक श्री मनोज शर्मा 2 सितम्बर को भजन सुनायेंगे। इसी प्रकार देवघर के जानेमाने भजन गायक श्री मनोज अजीत मनौतियों के राजा के दरबार में हाजिरी लागायेंगे। कमेटी के सदस्य योगेश बंसल व शरद अग्रवाल ने बताया कि हर साल करीब 82 हजार चिट्ठियां लिखी जाने वाले बप्पा के दरबार में इस बार लाखों भक्तों के आने की उम्मीद है। इसके अलावा काफी संख्या मे दुकानें चाट, फास्ट–फूड एवं आइस्क्रीम की दुकाने व उनके पसन्द की सामग्री भी मिलेगी। पण्डाल के बाहर महोत्सव का र्स्प दिया जा रहा है। महिला एवं बच्चों के लिए विशेष प्रकार के झूले लगाए जा रहे हैं। इसके अलावा फूड जोन, किड्स जोन, गेम जोन, शापिंग जोन, लाइव प्रोग्राम नृत्य नाटिका एवं भजन, सिंगर सेलेब्रिटी मुख्य आकर्षण रहेंगे। अखिलेश बंसल ने बताया कि बप्पा के दर्शन प्रतिदिन प्रातः 10 बजे से 12 बजे तक, दोपहर 1रू00 बजे से 5 बजे तक और सायं 6:00 बजे से रात 11 होंगे। विगत वर्षो की भांति इस बार भी मनोतियों के राजा श्री गजानन के नाम चिट्ठी प्रतिदिन प्रातः 10 बजे से सायं 6:00 बजे तक श्रद्धालु लिख सकते हैं। 6 सितम्बर को मनौतियों के राजा की शोभा यात्रा झूलेलाल वाटिका से अपरान्ह 1 बजे प्रारम्भ होकर विश्वविद्यालय मार्ग, आईटी चौराहा, रामकृष्ण मठ, शंकरनगर, नजीरगंज, डालीगंज होते हुये झूलेलाल वाटिका पर समाप्त होगी। विसर्जन शोभा यात्रा निकलने के बाद गणेश प्रतिमा का झूलेलाल वाटिका के पास भू विसर्जन किया जायेगा। प्रेसवार्ता में श्री देशराज अग्रवाल, संजय सिंह गांधी, अतुल बंसल, रामशंकर वर्मा, गोपाल अग्रवाल, अजय अग्रवाल, जयकरन, सुधांशु बाथम, नरेश अग्रवाल, रोहित अग्रवाल, अतुल (सोनू), रोहित महानगर समेत अन्य लोग मौजूद रहे।

बुलंदशहर में भीषण सड़क दुर्घटना, नौ लोगों की मौत, 50 घायल

संवाददाता

लखनऊ। बुलंदशहर मे भीषण सड़क दुर्घटना हो गई है। एनएच 34 पर अरनिया क्षेत्र के घटाल गांव के पास एक ट्रैक्टर ट्रॉली को पीछे से कंटेनर ने टक्कर मार दी। ट्रैक्टर ट्रॉली श्रद्वालुओं से भरी थी. इस हादसे में 9 लोगों की मौत हो गई। करीब 50 से ज्यादा लोग घायल बताए जा रहे हैं। मौके पर डीएम, एसएसपी समेत जिले के कई आलाअधिकारी पहुंच गए हैं।पुलिस टीम घायलों को अस्पताल भिजवा रही है। बताया जा रहा है कि सभी ट्रैक्टर से राजस्थान के गोगामड़ी जा रहे थे। सभी जाहरपीर की धार्मिक यात्रा पर निकले थे।वहीं सूबे के मुखिया योगी आदित्यनाथ ने शोक संतप्त परिवारों के प्रति संवेदना व्यक्त कीं है।

दरोगा पत्नी से मांग रहे थे 10 लाख रुपए, कानपुर में पोस्टिंग लखनऊ में एफआईआर

संवाददाता

लखनऊ। राजधानी लखनऊ में कानपुर के काका देव थाने में तैनात दरोगा के खिलाफ मुकदमा दर्ज हुआ है। उनकी पत्नी ने 10 लाख रुपए दहेज में न देने पर मारपीट करने का आरोप लगाया है। पत्नी का आरोप है कि पति और सास खाने में उन्हें नींद की गोलियां देती थीं। करीब 2 साल पहले उनकी मां बेहोशी की हालत में कानपुर से उन्हें लखनऊ लाई थीं। तब से वह बेटे और बेटी के साथ लखनऊ स्थित मायके में रह रही हैं। सरोजनी नगर थाना पुलिस मामले की छानबीन कर रही है। सरोजनी नगर की रहने वाली रूबी की 2014 में कानपुर निवासी विशाल सिंह से शादी हुई थी। रूबी का आरोप है कि उस समय मायके वालों ने 6 लाख नकद, सोने की चेन, फ्रिज, टीबी और लाखों रुपए के घरेलू सामान दिए थे। शादी के बाद से ही पति और ससुरालवाले दहेज के लिए प्रताड़ित करने लगे। इस बीच 2015 में बेटे और 2021 में बेटी को जन्म दिया। 2022 में विशाल को मृतक आश्रित कोटे में दरोगा की नौकरी मिल गई। उसके बाद से उसका व्यवहार बदल गया। 10 लाख रुपए दहेज के लिए मांगने लगा। नहीं देने पर मारपीट शुरू कर दी। जान से मारने और दूसरी शादी करने की धमकी देने लगा। रूबी का आरोप है कि सास अनीता के साथ मिलकर पति विशाल ने मानसिक और शारीरिक रूप से प्रताड़ित करते थे। नींद की गोलियां देकर बेहोश कर देते थे। खाना नहीं देते थे। पति और सास होटल में खाना खाकर आ जाती थी। पति उनका फोन रिकॉर्ड करता था। मायकेवालों से बात करने से रोका जाता था। 2023 में साफ कह दिया कि उन्हें और बेटी को साथ नहीं रखेंगे। 20 सितंबर 2023 को उनकी मां ससुराल से उन्हें बेहोशी की हालत में लखनऊ लेकर आईं। तब से वह अपनी तीन साल की बेटी के साथ मायके में रह रही है। ना कोई भरण–पोषण मिल रहा है, ना ही किसी तरह की मदद। सरोजनी नगर इंस्पेक्टर का कहना है कि मामले की जांच करके कार्रवाई की जाएगी।

विधायक की स्कॉर्पियो पलटी, बेकाबू होकर 4 बाइकों को मारी टक्कर

संवाददाता

लखनऊ। निगोहा थाना क्षेत्र के मस्तीपुर गांव में सोमवार सुबह बड़ा हादसा हो गया। एक तेज रफ्तार स्कॉर्पियो स्टेयरिंग का रॉड टूटने से बेकाबू हो गई। 4 बाइकों में टक्कर मारकर पलट गई। उसके चारों पहिए ऊपर हो गए। गनीमत रही कि हादसे में कोई गंभीररूप से घायल नहीं हुआ। स्कॉर्पियो के पीछे विधायक लिखा है।प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक, स्कॉर्पियो रायबरेली की ओर जा रही थी। स्कॉर्पियो श्रीराम ऑटो सर्विस के पास अचानक बेकाबू हो गई। सड़क के किनारे खड़ीं 4 बाइकों को जोरदार टक्कर मारी। इसके बाद करीब करीब 50 मीटर तक सड़क पर घसीटकर

पलट गई। हादसे के समय आसपास लोग मौजूद थे, लेकिन गनीमत रही कि कोई घायल नहीं हुआ। पुलिस के अनुसार, रायबरेली के घंटाघर निवासी करण लोधी अपने दोस्त रामदुलारे के साथ स्कॉर्पियो से लखनऊ से रायबरेली जा रहे थे। मस्तीपुर गांव पहुंचते ही गाड़ी की स्टेयरिंग का रॉड टूट गया। स्कॉर्पियो बेकाबू हो गई। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची। क्रेन की मदद से उसे सड़क से हटवाया। स्कॉर्पियो के पीछे विधायक लिखा है।

विमर्श-2025 के अंतर्गत दो दिवसीय मानव संसाधन सम्मेलन, टीएचडीसीआईएल, ऋषिकेश में आरंभ

बीएनई

ऋषिकेश। टीएचडीसी इंडिया लिमिटेड (टीएचडीसीआईएल) ने 25 अगस्त, 2025 को अपने अत्याधुनिक तक्षशिला मानव संसाधन विकास केंद्र, ऋषिकेश में मानव संसाधन सम्मेलन : विमर्श– 2025 का आयोजन किया। 25–26 अगस्त, 2025 तक आयोजित होने वाला यह दो दिवसीय कार्यक्रम, मानव संसाधन प्रथाओं के भविष्य पर विचार–विमर्श करने के लिए विभिन्न क्षेत्रों के प्रतिष्ठित मानव संसाधन पेशेवरों, विचारकों और वरिष्ठ अधिकारियों को एक साथ लाने में सहायक होगा। इस अवसर पर सम्बोधित करते हुए, टीएचडीसीआईएल के अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक, आर. के. विश्नोई ने ऐसे राष्ट्रीय महत्व के सम्मेलन के आयोजन के लिए टीम मानव संसाधन, टीएचडीसीआईएल को बधाई दी और इस बात पर प्रकाश डाला कि विमर्श–2025 जैसे मंच जन–केंद्रित विकास पर चर्चा को आकार देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। विश्नोई ने इस बात पर जोर दिया कि आज के तेजी से बदलते परिदृश्य में, मानव संसाधन की भूमिका संगठनात्मक परिवर्तन में सबसे अग्रणी है, जो संस्थानों को लचीला और नवोन्मेषी बने रहने में सक्षम बनाता है। विश्नोई ने आगे कहा कि टीएचडीसीआईएल में, लोगों को विकास और उत्कृष्टता का सच्चा वाहक माना जाता है, और इसलिए, नेतृत्व की तत्परता, कर्मचारी कल्याण और क्षमता निर्माण पर निरंतर ध्यान देना अनिवार्य है। उन्होंने आगे कहा कि विमर्श–2025 न केवल संवाद का एक मंच है, बल्कि 2047 तक विकसित भारत बनने के भारत के दृष्टिकोण के अनुरूप है, सार्वजनिक क्षेत्र, भविष्य के लिए नेतृत्वकर्ताओं का एक समूह बनाने का एक सामूहिक प्रयास है। सम्मेलन का उद्घाटन शैलेन्द्र सिंह, निदेशक (कार्मिक), टीएचडीसीआईएल, परेश रनपारा, निदेशक (मानव संसाधन), ग्रिड इंडिया, मृदुल श्रीवास्तव, व्यवसाय परिवर्तन प्रमुख और समाधान विशेषज्ञ, डॉ. ए. एन. त्रिपाठी, मुख्य महाप्रबंधक (मानव संसाधन एवं प्रशासन, केन्द्रीय संचार) टीएचडीसीआईएल साथ ही टीएचडीसीआईएल एवं अन्य प्रतिभागी संगठनों के अन्य वरिष्ठ अधिकारियों की उपस्थिति में किया गया। टीएचडीसीआईएल के निदेशक (कार्मिक) शैलेन्द्र सिंह ने सम्मेलन में उपस्थित लोगों को संबोधित करते हुए कहा कि यह शिखर सम्मेलन केवल मानव संसाधन क्षेत्र के प्रमुख व्यक्तियों का समागम नहीं है, बल्कि संवाद, विचारों के आदान–प्रदान और रणनीतियों के सह–निर्माण का एक मंच है जो हमारे संगठनों में मानव संसाधन प्रबंधन की भावी रणनीतियों को आकार देने में मदद करेगा और आने वाली चुनौतियों और बदलावों को स्वीकार करने के लिए एक संवाद का मार्ग प्रशस्त करेगा तथा हमें आपसी ज्ञान साझा करने और सामूहिक रणनीति के साथ सामूहिक रूप से उनका सामना करने के लिए तैयार रहने में सक्षम बनाएगा। साथ ही सिंह ने कहा कि टीएचडीसीआईएल मानव संसाधन शिखर सम्मेलन का नाम, विमर्श, एक संस्कृत शब्द है, जिसका अर्थ है विचार–विमर्श या चर्चा। यह इस सम्मेलन के उद्देश्य को पूरी तरह से दर्शाता है साथ ही इसका प्रमुख उद्देश्य मानव संसाधन के निरंतर विकसित होते परिदृश्य पर एक सार्थक संवाद में शामिल होना, अंतर्दृष्टि और अनुभव साझा करना और साथ मिलकर आगे का रास्ता तय करना है। सोसाइटी फॉर ह्यूमन रिसोर्स मैनेजमेंट (एसएचआरएम) के सहयोग से आयोजित इस दो दिवसीय सम्मेलन में विभिन्न सार्वजनिक उपक्रमों और विभिन्न क्षेत्रों के अग्रणी संगठनों का प्रतिनिधित्व करने वाले वरिष्ठ मानव संसाधन प्रमुखों की सक्रिय भागीदारी देखी गई। सम्मेलन का एक प्रमुख आकर्षण एआई–संचालित दुनिया में नेतृत्व की तत्परता पर एक आकर्षक पैनल चर्चा थी, जिसमें टीएचडीसीआईएल के निदेशक (कार्मिक) शैलेन्द्र सिंह, ग्रिड इंडिया के निदेशक (मानव संसाधन) परेश रनपारा, व्यवसाय परिवर्तन प्रमुख और समाधान विशेषज्ञ मृदुल श्रीवास्तव तथा एसएचआरएम इंडिया के परामर्श एवं क्षमता निर्माण निदेशक आशीष कौल सहित प्रतिष्ठित कॉर्पोरेट मानव संसाधन के शीर्ष अधिकारी शामिल थे।

वोटर लिस्ट में गड़बड़ पर सामने आए असीम अरुण, बोले होगी कार्रवाई

बृजेश चतुर्वेदी

कन्नौज। वोटर लिस्ट में गड़बड़ी को लेकर सरकार पर निशाना साधने वाले सपा प्रमुख के करीबी लोगों पर अब शिकंजा कसने की तैयारी है। इसकी जानकारी राज्य सरकार के समाज कल्याण मंत्री असीम अरुण ने वीडियो जारी कर दी है। उन्होंने बताया कि कन्नौज में अखिलेश का दाहिना हाथ रहा नवाब सिंह और उसके भाइयों के दो–दो जगह वोटरलिस्ट में नाम हैं।

अब इसकी जांच करवा कर कार्रवाई कराई जाएगी। कन्नौज सदर सीट से विधायक और राज्य सरकार के समाज कल्याण मंत्री असीम अरुण ने सोमवार सुबह एक वीडियो जारी किया। इसमें उन्होंने कहा कि 2024 के लोकसभा चुनाव के समय समाजवादी पार्टी ने वोटों में खूब धांधली की। इसका जीता जागता उदाहरण पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव का करीबी नवाब सिंह यादव है। वोटरलिस्ट में उसका नाम बूथ संख्या 233 अडंगापुर में दर्ज हैं, जबकि कन्नौज के प्राथमिक विद्यालय ग्वाल मैदान के बूथ संख्या 299 पर भी उसका नाम दर्ज है।

इसी तरह नवाब सिंह यादव के भाई नीलू यादव और कल्यान सिंह यादव के भी नाम अडंगापुर के बूथ संख्या 233 और ग्वाल मैदान के बूथ संख्या 300 पर दर्ज हैं। जेल में बंद है नवाब सिंह यादव उन्होंने कहा कि वह जिला निर्वाचन अधिकारी को पत्र सौंपकर नवाब सिंह और उसके भाइयों के दो–दो जगह वोट मामले में जांच कराने और कार्रवाई करने की मांग करेंगे। फिलहाल नवाब सिंह नाबालिग से रेप के आरोप में 12 अगस्त 2024 से जेल में बंद हैं। उनका भाई नीलू यादव भी जेल में है। मंत्री असीम अरुण ने कहा कि जब वोटरलिस्ट की गहनता से पड़ताल की गई तो इस तरह की खामियां निकल कर सामने आईं। इनके सुधार के लिए चुनाव आयोग काम कर रहा है तो समाजवादी पार्टी हल्ला मचाने लग गई। उन्होंने कहा कि इस तरह के अन्य लोगों को भी चिह्नित किया जा रहा जिन्होंने दो या तीन जगहों पर अपने वोट बनवा रखे हैं। समाजवादी पार्टी को चुनाव आयोग से माफी मांगनी चाहिए और वोटरलिस्ट सत्यापन के काम में सपोर्ट करें।

भाजपा विधायक डॉ. मनोज कुमार प्रजापति का पलटवार : अखिलेश यादव के आरोप झूठ का पुलिंदा

अखिलेश यादव के बयान पर भाजपा विधायक का सीधा वार

बीएनई

हमीरपुर। हमीरपुर से भाजपा विधायक डॉ. मनोज कुमार प्रजापति ने अखिलेश यादव के बयान पर कड़ा पलटवार किया है। उन्होंने कहा कि "समाजवादी पार्टी झूठ और भ्रम की राजनीति कर रही है। भाजपा ने कभी भी प्रजापति समाज का हक नहीं छीना, बल्कि सम्मान और विकास दिया है।"

तालाब पट्टों का सच

डॉ. प्रजापति ने कहा कि समाजवादी पार्टी के शासन में तालाबों पर दलालों और माफियाओं का कब्जा था। असली प्रजापति समाज तक पट्टे पहुंचे ही नहीं। भाजपा सरकार ने इन फर्जी और भ्रष्ट पट्टों को निरस्त कर ईमानदारी से व्यवस्था बनाई।

समाजवादी पार्टी के वादे बनाम भाजपा का काम

भाजपा विधायक ने तंज कसते हुए कहा –

"समाजवादी पार्टी सिर्फ वादों की राजनीति करती है, जबकि भाजपा ने जमीनी स्तर पर काम करके दिखाया है। आवास योजना, उज्ज्वला गैस, आयुष्मान कार्ड, शौचालय, राशन और किसान सम्मान निधि – इन सबका लाभ सीधे प्रजापति समाज को मिला है। भाजपा वादा नहीं, काम करती है।"

बुलडोजर राजनीति पर करारा जवाब

रामगोपाल यादव के बुलडोजर वाले बयान पर डॉ. मनोज प्रजापति ने कहा –

"भाजपा का बुलडोजर गरीब की झोपड़ी पर नहीं, बल्कि अवैध कब्जेदारों और अपराधियों पर चलता है। समाजवादी पार्टी को इसलिए दर्द होता है क्योंकि बुलडोजर ने उनके माफिया दोस्तों की नींव हिला दी। प्रजापति समाज मेहनतकश है, उनके घर पर कभी बुलडोजर नहीं चलेगा।"

2027 का सच : जनता वादा नहीं, रिपोर्ट कार्ड देखेगी

डॉ. प्रजापति ने कहा कि अखिलेश यादव 2027 के लिए खोखले वादे कर रहे हैं। लेकिन जनता सब देख रही है। भाजपा सरकार ने गांव से लेकर शहर तक विकास की गंगा बहाई है। "2027 में जनता 'वादों का पोस्टर' नहीं, बल्कि भाजपा का 'काम का रिपोर्ट कार्ड' देखकर वोट करेगी।"

प्रजापति समाज भाजपा के साथ

विधायक ने कहा –

"प्रजापति समाज मिट्टी को सोना बनाने वाला समाज है। भाजपा इस मेहनतकश समाज को आगे बढ़ाने के लिए प्रतिबद्ध है। अखिलेश यादव झूठ बोलकर प्रजापति समाज को गुमराह नहीं कर सकते। आज प्रजापति समाज भाजपा के साथ मजबूती से खड़ा है और आगे भी रहेगा।"

ओसाका इन्वेस्टर कनेक्ट : छत्तीसगढ़ ने जीता निवेशकों का भरोसा

छत्तीसगढ़ का निवेश-अनुकूल इकोसिस्टम : जापानी कंपनियों ने दिखाई गहरी रुचि

बीएनई

रायपुर। छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने अपने जापान प्रवास के दौरान ओसाका में आयोजित प्रतिष्ठित इन्वेस्टर कनेक्ट कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि छत्तीसगढ़ प्राकृतिक संसाधनों, प्रतिभाशाली मानवबल और उद्योग–अनुकूल नीतियों का सशक्त संगम है। उन्होंने रेखांकित किया कि भारत और जापान विश्वास एवं साझा मूल्यों की गहरी डोर से जुड़े हैं। मुख्यमंत्री ने जापानी साझेदारों से आह्वान किया कि वे नवाचार, अवसर और साझा समृद्धि से आगे बढ़ रही छत्तीसगढ़ की विकास यात्रा में भागीदार बनें। कार्यक्रम के दौरान मुख्यमंत्री ने सरताज फूड्स, ओसाका को छत्तीसगढ़ में फूड प्रोसेसिंग यूनिट स्थापित करने के लिए 11.45 मिलियन डॉलर (100 करोड़) का निवेश प्रस्ताव दिया। यह परियोजना राज्य के फूड प्रोसेसिंग क्षेत्र को नई ऊँचाई देगी, बड़े पैमाने पर रोजगार सृजन करेगी और किसानों को नए अवसर प्रदान करेगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि इस पहल से छत्तीसगढ़ की कृषि–आधारित अर्थव्यवस्था और अधिक सुदृढ़ होगी। बिजनेस–टू–गवर्नमेंट (B2G) बैठकों के अंतर्गत मुख्यमंत्री साय ने मोराबु हंशिन कंपनी के प्रेसिडेंट एवं रिप्रेजेंटेटिव डायरेक्टर नाओयुकी शिमाडा से भी भेंट की। यह कंपनी कुशल इंजीनियरों, सिस्टम डेवलपमेंट और वर्कफोर्स सॉल्यूशंस के क्षेत्र में अग्रणी है। बैठक में कौशल प्रशिक्षण और वर्कफोर्स एक्सचेंज के क्षेत्र में सहयोग की संभावनाओं पर विस्तार से चर्चा हुई। मुख्यमंत्री ने कहा कि इससे छत्तीसगढ़ के युवाओं के लिए वैश्विक अवसरों का मार्ग प्रशस्त होगा और राज्य का कौशल तंत्र और अधिक सशक्त बनेगा। इस अवसर पर छत्तीसगढ़ के अधिकारियों ने राज्य की प्रतिस्पर्धात्मक विशेषताओं को विस्तार से प्रस्तुत किया। उन्होंने बताया कि प्रचुर खनिज संपदा, सक्रिय सिंगल–विंडो क्लियरेंस सिस्टम, विश्वस्तरीय औद्योगिक ढाँचा और वैश्विक निवेशकों को सहज वातावरण उपलब्ध कराना छत्तीसगढ़ की सबसे बड़ी ताकत है। राज्य में किए जा रहे सुधारों और निवेशकों के लिए प्रोत्साहन योजनाओं की जापानी प्रतिनिधियों ने सराहना की। विशेषकर फूड प्रोसेसिंग, प्रौद्योगिकी और उन्नत वर्कफोर्स सॉल्यूशंस के क्षेत्र में निवेश की इच्छुक कंपनियों ने छत्तीसगढ़ को उपयुक्त अवसरों का प्रदेश बताया। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने कहा, "छत्तीसगढ़ निवेश–अनुकूल इकोसिस्टम प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध है, जहाँ वैश्विक साझेदारों को अवसर और सहयोग दोनों मिलते हैं। जापान के साथ हमारी साझेदारी विश्वास और साझा मूल्यों पर आधारित है। ओसाका में हुई चर्चाएँ न केवल निवेश लेकर आएँगी, बल्कि हमारे किसानों को सशक्त बनाएँगी, युवाओं के लिए रोजगार उत्पन्न करेंगी और विकसित छत्तीसगढ़ की नींव को और अधिक मजबूत करेंगी।"

बाजार में दिखेगी तेजी, इन शेयरों पर लगाएं दांव

दिवाली तक जीएसटी ढांचे में बड़े सुधार की योजना होगी पूरी

एजेंसी

जीएसटी सुधारों का उद्देश्य खुदरा कीमतों को कम करना है। दोपहिया और छोटी कारों को इसका फायदा हो सकता है। सीमेंट क्षेत्र में राजस्व में वृद्धि हो सकती है। बढ़ती खपत से बैंकों को लाभ हो सकता है। इस आधार पर ब्रोकरेज हाउसों ने 40 से ज्यादा शेयरों को संभावित लाभार्थियों के रूप में पहचाना है। मॉर्गन स्टेनली के मुताबिक, दरों को युक्तिसंगत बनाने से अंतिम ग्राहकों के लिए कीमतों में कमी आएगी। इससे वे ज्यादा खर्च कर पाएंगे। दरों में कमी से निम्न–आय वाले परिवारों पर बोझ कम होगा। समग्र मांग में सुधार के रुझान से कारोबारी धारणा मजबूत होगी। सुधार के कई कदमों से मिलेगी मदद आईसीआईसीआई सिक्योरिटीज का मानना है कि जीएसटी दरों में कमी से रेपो दरों में और कटौती की उम्मीदें बढ़ सकती हैं। सुधार का पहला कदम इस साल के बजट में मध्य आय वालों के लिए आयकर की सीमा बढ़ाने का था। उसके बाद ब्याज दरों में एक फीसदी की कटौती ने मध्य वर्ग को और राहत दी। वैश्विक ब्रोकर जेफरीज क मानना है कि जीएसटी दरों के कम होने से दोपहिया वाहन, सीमेंट, एसी से संबंधित शेयर बड़े लाभार्थी हो सकते हैं। नोमुरा के अनुमान के अनुसार, ऑटो सेक्टर के लिए टैक्स में 10 फीसदी की कमी की जाती है, तो इससे मांग 15–20 फीसदी बढ़ सकती है। इन शेयरों में हो सकता है फायदा मोतीलाल ओसवाल : टाटा मोटर्स, बजाज हीरो, महिंद्रा। वोल्टास, हैवेल्स, आईटीसी। आईसीआईसीआई बैंक, बजाज फाइनेंस। निवा बूपा, मैक्स लाइफ, एचडीएफसी लाइफ। रिलैक्सो, शॉपर्स स्टॉप, ट्रेंट नोमुरा : महिंद्रा एंड महिंद्रा, मारुति, अशोक लेलैंड और टीवीएस मोटर। मॉर्गन स्टेनली : हीरो मोटोकॉर्प, आयशर मोटर्स, मारुति सुजुकी और महिंद्रा एंड महिंद्रा। गोल्डमैन सैश : ट्रेंट, पेज इंडस्ट्रीज, बाटा, मेट्रो, नेस्ले, डाबर, टाइटन। उपभोक्ता वस्तुएं व एचडीएफसी बैंक और बजाज फाइनेंस भी पसंदीदा शेयर हैं। ट्रैक्टर जैसे क्षेत्र पर अभी 12: कर लगता है। ये 5% कर स्लैब में आ सकते हैं। एयर कंडीशनर (एसी) को 18 फीसदी कर स्लैब में बदलाव से लाभ हो सकता है। जेफरीज ने कहा, खाद्य कंपनियों को भी लाभ हो सकता है क्योंकि उन पर टैक्स 12 से घटकर 5 फीसदी हो सकता है। 2.4 लाख करोड़ रुपये बढ़ेगी खपत ब्रोकरेज हाउसों का अनुमान है कि जीएसटी की दरों में कमी से 2.4 लाख करोड़ रुपये की खपत बढ़

सीमेंट शेयरों से लाभ मोतीलाल ओसवाल ब्रोकरेज हाउस का कहना है कि उपभोक्ता वस्तुओं (बेहतर मांग और कच्चे माल की कम लागत से) वाले शेयरों को इस फैसले से ज्यादा लाभ होगा। सीमेंट, होटल, खुदरा (फुटवियर), उपभोक्ता टिकाऊ वस्तुएं व लॉजिस्टिक्स को भी फायदा होगा। ऐसे में हिंदुस्तान यूनिलीवर, ब्रिटानिया, मारुति, अशोक लेलैंड, अल्ट्राटेक, वोल्टास, लेमनट्री, स्विगी, सकती है। यह रकम देश के निम्न और मध्य वर्ग के लोगों के हाथों में आएगी। इससे वे अच्छा–खासा खर्च करने में सक्षम होंगे। खासकर दिवाली में और ज्यादा खर्च लोग करने को इच्छुक होते हैं। भारत वर्षों में अपनी सबसे बड़ी खपत वृद्धि के कगार पर खड़ा है। जैसे–जैसे बाजार पूंजीगत खर्च की ओर से उपभोग की ओर बढ़ेगा, इससे अगले कुछ महीने यह तय कर सकते हैं।

ठगों की चाल, मुनाफे का जाल; झांसे से बचें

सिर्फ सेबी रजिस्टर्ड सलाहकार पर भरोसा करें

एजेंसी

सोशल मीडिया जानकारी साझा करने के साथ निवेश की दुनिया में भी बड़ा असर डाल रहा है। फेसबुक, टेलीग्राम और इंस्टाग्राम जैसे प्लेटफॉर्म पर हजारों ग्रुप और चौनल निवेशकों को बाजार में मोटे मुनाफे का सपना दिखा रहे हैं। खुद को 'स्टॉक मार्केट एक्सपर्ट' या 'रिसर्च एनालिस्ट' बताने वाले सलाह के नाम पर निवेशकों को लुभाते हैं। फिर मोटे मुनाफे का झांसा देकर उनसे पैसे ऐंठ लेते हैं। सोशल मीडिया पर ठग खुद को मार्केट एक्सपर्ट, ब्रोकर या सेबी रजिस्टर्ड रिसर्च एनालिस्ट बताकर ग्रुप बनाते हैं। वे निवेशकों को ग्रुप में जोड़कर फ्री टिप्स देते हैं। शुरुआती दौर में छोटी–छोटी सफलता दिखाकर भरोसा जीतते हैं। विश्वास बढ़ने पर निवेशकों को प्रीमियम ग्रुप में शामिल होने या सीधे निवेश करने का लालच दिया जाता है। यहां मोटे मुनाफे की गारंटी का दावा किया जाता है। मोटी कमाई के लालच में न आएं बाजार में लंबे समय में ही अनुशासन और सही रणनीति से प्रॉफिट कमाया जा सकता है। लेकिन सोशल मीडिया पर सक्रिय ठग एक–दो हफ्ते में पूंजी दोगुनी होने का लालच देते हैं। बाजार की चाल कई आर्थिक, वैश्विक और राजनीतिक कारकों पर निर्भर करती है। निवेशक जब मोटे मुनाफे की चाह में समझदारी छोड़ देते हैं, तब वे ठगी का शिकार हो जाते हैं। अगर फंस जाएं तो ये कदम उठाएं कोई निवेशक ऐसे जाल में फंस जाए तो पहले संबंधित प्लेटफॉर्म पर शिकायत दर्ज कराए। साइबर क्राइम पोर्टल

(cybercrime.gov.in) व पुलिस स्टेशन में शिकायत करें। सेबी के हेल्पलाइन नंबर 18002667575 और स्कोर्स प्लेटफॉर्म पर भी रिपोर्ट दर्ज कराएं। किसी भी ट्रांजेक्शन या चौट का रिकॉर्ड सुरक्षित रखें। बाजार में निवेश व निवेश के मंत्र सीखना, दोनों अलग प्रक्रियाएं हैं। शिक्षा का मतलब बाजार की समझ बढ़ाना। रिस्क का आकलन करना व वित्तीय लक्ष्यों को तय करना। जब लोग सीखने और निवेश करने की प्रक्रिया को मर्ज कर लेते हैं, तो वे ठगी का शिकार बन जाते हैं।

ठगी से ऐसे बचें रिसर्च एनालिस्ट या एडवाइजर के सेबी रजिस्ट्रेशन की जांच करें।

गारंटीड रिटर्न का वादा हो तो समझ लें कि यह ठगी का जाल है।

शेयर खरीद–बिक्री मान्यता प्राप्त स्टॉक एक्सचेंज और पंजीकृत ब्रोकर के जरिये ही करें।

किसी भी अनजान ग्रुप या चौनल में बैंक डिटेल, ओटीपी या अन्य निजी जानकारी न दें।

निवेश अपनी रिस्क प्रोफाइल और वित्तीय लक्ष्य के आधार पर करें, न कि दूसरों के कहने पर।

कोई तय रिटर्न का लालच दे रहा है, तो यह ठगी का जाल है। सोशल मीडिया पर एक्टिव कुछ लोग दागी कंपनियों और ऑपरेटर्स से मिले होते हैं जो पैनी स्टॉक्स में मुनाफे का झांसा देकर निकल जाते हैं।

संक्षिप्त

9,500 करोड़ की नकदी बरामद, मनी लॉन्ड्रिंग से जुड़े मामलों में कार्रवाई

एजेंसी

बीते एक दशक में भ्रष्टाचार, हवाला और मनी लॉन्ड्रिंग मामलों में कार्रवाई में तेजी आई है। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) की कार्रवाई में छापों की संख्या और नकदी की बरामदगी में अप्रत्याशित वृद्धि हुई है। सरकार की ओर से संसद में दी गई जानकारी और ईडी के आंकड़ों के अनुसार, मई 2014 से अगस्त 2025 तक जांच एजेंसी ने देशभर में 4,500 से छापे की कार्रवाई की। इन छापों में 9,500 करोड़ रुपये से अधिक की रिकार्ड नकदी बरामद की गई। हालांकि तथ्य यह भी है कि ईडी अपनी कार्रवाई को लेकर विपक्ष के निशाने पर रहा है। विपक्ष का दावा है कि ज्यादातर कार्रवाई सियासी उद्देश्यों से विपक्षी दलों के नेताओं के खिलाफ होती है। वहीं, सुप्रीम कोर्ट भी तौर–तरीकों पर फटकार लगाते हुए यहां तक कह चुका है कि ईडी अपनी सीमाएं लांघ रहा है। यूपीए शासनकाल में सीमित थी ईडी की कार्रवाई यूपीए शासनकाल (2004 से 2014) के दौरान ईडी की कार्रवाई सीमित थी। इस दौरान 200 से 250 छापे पड़े थे और कुल नकदी बरामदगी 800 से 900 करोड़ के आसपास रही। तब ईडी की प्राथमिकता हवाला नेटवर्क और विदेशी मुद्रा उल्लंघनों पर थी। बड़े पैमाने पर नकद जब्ती के मामले बहुत कम सामने आए। 2014 के बाद...खासकर 2019 के बाद से राजनीतिक व कारोबारी ठिकानों पर की गई कार्रवाई में हजारों करोड़ नकद बरामद किए गए। 2023 में छत्तीसगढ़ और झारखंड में पड़े छापों में रिकॉर्ड 300 करोड़ रुपये से ज्यादा कैश मिला, जिसने ईडी की कार्रवाई के इतिहास में नया अध्याय जोड़ा। सिर्फ 2023–24 के दौरान ही प. बंगाल, झारखंड, उत्तर प्रदेश और दिल्ली में बड़े पैमाने पर नकदी जब्त की गई। ज्यादातर कार्रवाइयों में कांग्रेस, तृणमूल कांग्रेस, झारखंड मुक्ति मोर्चा, राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी और आम आदमी पार्टी से जुड़े नेताओं के नाम सुर्खियों में आए। कहां मिले कितने नकद?

स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक **धर्मेन्द्र सिंह** द्वारा शौर्य प्रिंटर्स, शिवपुरी कालोनी, निकट बांसमण्डी चौराहा, लखनऊ से मुद्रित तथा एमआईजी-47, सेक्टर-ई, अलीगंज, लखनऊ (उ.प्र.) से प्रकाशित
सम्पादक-अंजू सिंह (सभी विवादों का न्याय क्षेत्र लखनऊ होगा) Email-lkojunction@gmail.com. RNI NO.-UPHIN/2015/64743